साल 6 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-5 | दिसम्बर-2023 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

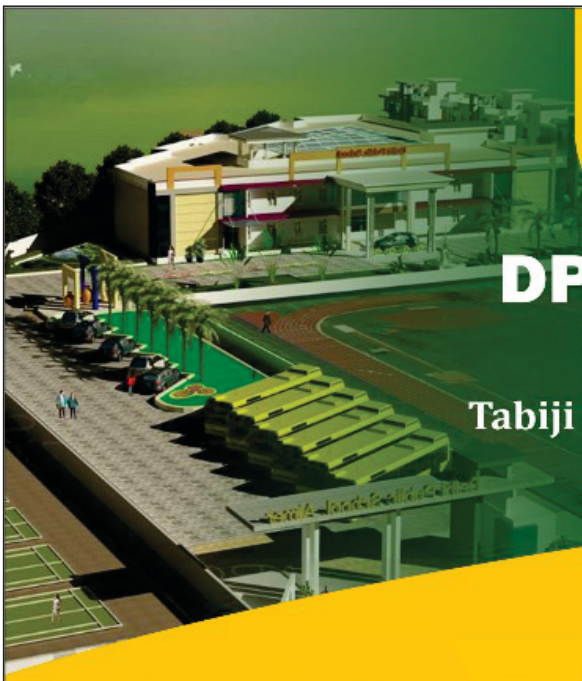

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING
The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, प्रिया मारवाल 9408093778 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

साथियों, वर्ष 2023 समाप्त होने में चंद दिन शेष हैं लोग नये साल 2024 के स्वागत की इंतजार में है। 31 दिसम्बर की मध्यरात्रि 12 बजे ही **'हेप्पी न्यू इयर'** का आगाज जगह-जगह सुनाई देगा। लोग होटलों, क्लबों, पार्टियों व सड़कों पर भी नये साल के जश्न में मग्न नजर आयेंगे। पर नया साल केवल एक दिन खुशी मनाने का नहीं होना चाहिये बल्कि कुछ नये संकल्प के साथ मनाये तो ज्यादा खुशियां देगा। वर्ष 2023 के अधूरे कामों का विश्लेषण करें और वर्ष 2024 में इन्हें पूरे करने का निश्चय करें, साथ ही नये संकल्प सूचीबद्ध कर उन पर वर्ष 2024 की कार्य योजना बनाये।

इस बार मकर संक्राति 15 जनवरी को है **आप सभी को मकर संक्राति की शुभकामना।** 22 जनवरी को मर्यादा पुरुषोत्तम राम (रामलला), श्रीराम जन्म भूमि, अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में विराजमान होंगे। लगभग 500 वर्षों बाद यह शुभ दिन हम सभी को देखने को मिलेगा। इस दिन हम सभी कुमावतजन श्रीराम की पूजा-अर्चना, भजन, स्तुति आदि करें व सायं दीपमाला जलाकर 'रामलला' का स्वागत कर खुशी व्यक्त करें। इस कार्य में अनेक हिन्दुओं का बलिदान भी हुआ था। हमारा यह कार्य उनके प्रति सच्ची श्रद्धा होगी।

26 जनवरी को हमारे गणतंत्र को 73 वर्ष पूरे हो जायेंगे। इस दिन स्वतंत्र भारत का संविधान लागू हुआ और डॉ.राजेन्द्र प्रसाद प्रथम राष्ट्रपति बनाये गये जो जनता के प्रतिनिधि थे। संविधान ने हमें मौलिक अधिकार दिये जिनमें समानता व स्वतंत्रता जैसे अधिकार मिले जो गौरवपूर्ण जीवन जीने के लिए मील का पत्थर है। स्वतंत्र वयस्क निर्वाचन का अधिकार स्त्री-पुरुषों को समान रूप से दिया व स्वतंत्र न्यायपालिका दी। तब से अब तक प्रत्येक 5 वर्ष में भारत में चुनाव हो रहे हैं। राज्य विधानसभा के हाल ही में हुए निर्वाचन में हमारे समाज से **श्री जोराराम कुमावत (सुमेरपुर) तथा श्री डूंगरराम गेदर (सूरतगढ़) से निर्वाचित हुए हैं। इन्हें 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।** फुलेरा, दांतारामगढ़, जैतारण जैसी सीटों से हमारे समाज के प्रत्याशी चुनाव नहीं जीत पाये, कहीं हम यहां से आगे दावेदारी न खो दें। इसलिए हमारे समाज को यहां धरातल पर कार्य करके दिखाना होगा। आखिर कब तक हम पार्टी पोलेटिक्स में पड़कर 'कुमावत' प्रत्याशी का नुकसान करके खुद के पांव पर कुल्हाड़ी मारते रहेंगे ? **जब तक हमारा अपना कोई प्रतिनिधि विधानसभा व सरकार में नहीं होगा तब तक कुमावत समाज की बात कौन उठायेगा ?** ब्राह्मण, मीणा, जाट, जैन, वणिक समाज के कितने प्रत्याशी विधानसभा, लोकसभा, राज्यसभा आदि में पहुंच गये और हम कितने पीछे रह गये। अत: हम अपनी राजनैतिक सोच में आमूलचूल परिवर्तन लाएंगे तब ही समाज का भला कर पायेंगे।

नववर्ष-2024 की आप सभी को मंगल कामनाएं।

- रमेश चन्द कुमावत

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
चार राज्यों की कमान युवा हाथों में	4
राजस्थान विधानसभा चुनाव : श्री जोराराम कुमावत व श्री डूंगरराम गेदर	5
हरे कृष्णा मूवमेंट से डॉ. राम सिंह राजोरिया को प्रशसा पत्र	5
22 जनवरी को होगी अयोध्या में रामलाल की प्रतिष्ठा	6
रामलाल की पहली आरती जोधपुर के घी से	6
6 जनवरी को सजेगा बाबा श्याम का दरबार	7
स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा प्रथम सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मलेन	7
एडवोकेट बार एसोसिएशन के चुनाव में समाज के अधिवक्ताओं की जीत	7
माँ के निधन पर 11 संस्थाओं को ढाई लाख रुपए सहायता दी	8
अनुकृति की याद में... गरीबों को कराया भोजन	8
काजल ने जीता ब्रांज मैडल	8
राजस्थान फोटो फेस्टिवल में रेणुका कुमावत संरक्षिका	8
गणतंत्र दिवस 26 जनवरी	9
23 दिसम्बर को शाहपुरा में लगता है 'शहीद मेला'	9
मोबाइल का बाल जीवन पर प्रभाव	10
चाय दिवस !	10
समाज के संदर्भ में चुनाव	11
रामजन्म भूमि केस में अहम भूमिका थी एडवोकेट के. पाराशरण की	11
अंधकार से उजास की ओर बढ़ने व अनेकता में एकता का संवाहक पर्व है : मकर संक्रांति	12
अभिनन्दन नववर्ष : कुमावत समाज: नववर्ष के कुछ संकल्प	13
सुभाष चन्द्र बोस	14
छात्रावास भूमि का कब्जा लिया गया	15
भक्त मीराबाई का 525वां जन्मदिवस मनाया	15
श्री आशुतोष कुमावत जिला न्यायाधीश का जन्मदिन मनाया	15
रक्तदान शिविर आयोजित	16
पवन कुमावत ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप 2023 में जीता स्वर्ण	16
मूर्तिकारनरेश कुमावत का ख्य न्यायाधीश द्वारा सम्मान	16
ईशान्त व इशिका ने जीते पदक	16
वाशु कुमावत को आर्चरी में सिल्वर मैडल	16
पतंगबाजी खूब करें, लेकिन पक्षियों को घर आने-जाने का मौका दें	17
यादों के झरोखें से-2023	18
भक्ति, प्रेम का ही सर्वश्रेष्ठ रूप है	20
प्रयागराज : संगम पर मित्रों का संगम-2	21
नये सदस्यों इन सभी का कुमावत पत्रिका परिवार में स्वागत है	21
सर्दी के स्वदेशी व्यंजन	22
ऊनी कपड़ों के लिए कुछ काम की बातें	22
राशिफल 2024	23
विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क सूत्र	26

चार राज्यों की कमान युवा हाथों में

हाल ही में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में से भारतीय जनता पार्टी ने राजस्थान में भजनलाल, छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साह तथा मध्य प्रदेश में मोहन यादव जैसे युवाओं को राज्यों की कमान सौंपी है। यह भाजपा का प्रयोग है या उपयोग पर यह निर्णय सबको चौंकाने वाला रहा। जाहिर है कि भाजपा कि यह सोची समझी रणनीति है। भारत में युवाओं की आबादी विश्व में सर्वाधिक है जबकि राजनीति में युवा नगण्य हैं। यदि हम यूरोपीय देशों की ओर देखें जहां बुजुर्गों की आबादी ज्यादा है फिर भी चुने हुए राजनेता युवा पाए जाते हैं। जब भारत में युवा आबादी अधिक है तो उनका प्रतिनिधित्व भी ज्यादा होना ही चाहिए। कब तक हम इन बुजुर्ग नेताओं के रहमो करम पर चलते रहेंगे। हमें युवा नेतृत्व को तैयार करना होगा। भारत के युवाओं को लगता है कि जैसे पारम्परिक रूप से राजनेता होते आए हैं वैसे ही आगे भी होगा पर वर्तमान दौर बदल चुका है तथा भाजपा इसे समझ चुकी है।

अगर हम कॉर्पोरेट जगत को देखें तो वहां युवा कर्मचारी बड़े ही जोश एवं तल्लीनता से कार्य करते हैं। उनमें अधिक देर तक कार्य करने की ऊर्जा एवं क्षमता होती है तो यही प्रयोग राजनीति में करने से परहेज क्यों करना चाहिए। हमें इन युवाओं को नेतृत्व देने पर प्रशंसा करनी चाहिए। इन नेतृत्व के अधीन जो मंत्री बने उनमें भी युवा एवं महिलाओं को पर्याप्त स्थान दिया जाना चाहिए। भाजपा का शायद यह भी सोच रहा हो कि जिन युवाओं को पहली बार मत देने का अवसर मिला उन्होंने उन्हें मत देकर विजयी बनाया है। ऐसे में उनमें एक अच्छा संदेश जाए कि अब युवा तथा नए चेहरे भारत का भविष्य होंगे। आम चुनाव 2024 निकट है निश्चय ही इसका लाभ मिलने की संभावना भाजपा ने सोची हो। शपथ लेने के बाद तीनों ही राज्यों में शीघ्रता से जनहित में निर्णय लिए गए हैं। इनमें पेपर लीक के प्रकरण की जांच तथा गैंगस्टर्स के विरुद्ध एसआईटी का गठन करना सम्मिलित है। जिससे आम मतदाताओं में विश्वास जगेगा और पिछली सरकारों ने जहां कमियां रखी थी उन्हें कुशल एवं प्रभावी प्रशासन से दूर किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त नई योजनाओं तथा केन्द्र की योजनाओं का राज्यों में लागू करने से जनता को लाभ होगा।

तेलंगाना में हुए विधानसभा चुनाव में श्री रेवंत रेड्डी कांग्रेस के युवा नेता को कमान सौंपी गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि अब युवाओं का दौर आ चुका है। वहीं मिजोरम में पूर्व पुलिस अधिकारी लालदुहोमा की नई पार्टी ज़ोरम पीपल्स मूवमेंट (ZPM) ने जीत दर्ज की है। इस प्रकार सभी राज्यों में सत्ता परिवर्तन का जनादेश प्राप्त हुआ है।

राजस्थान विधानसभा चुनाव

श्री जोराराम कुमावत, सुमेरपुर से विजयी

राजस्थान विधानसभा के हॉल ही में सम्पन्न चुनाव में सुमेरपुर सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी श्री जोराराम कुमावत ने 1,04,044 मत प्राप्त करके अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के हरिशंकर मेवाड़ा को 27382 मतों से परास्त कर जीत दर्ज की। श्री जोराराम कुमावत पिछली बार भी जीतकर विधायक बने थे। इतने बड़े अंतर से जीतना इनकी लोकप्रियता को स्वत: प्रमाणित करता है। श्री जोराराम जमीन से जुड़े हुए, मिलनसार, सेवाभावी, स्वच्छ छवि, ईमानदार और कुशल नेतृत्व जैसे गुणों से भरपूर संघ के समर्पित कार्यकर्ता एवं नेता हैं। श्री जोराराम कुमावत वर्ष 2000-05 सिन्दरू से सरपंच, 2014-18 तक सुमरेपुर में चेयरमैन तथा 2019-23 तक विधानसभा सदस्य रह चुके हैं।

समाज के अनेक संगठनों एवं प्रतिष्ठित लोगों ने श्री जोराराम कुमावत को मंत्रीमण्डल में स्थान देने का राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं राजस्थान बीजेपी अध्यक्ष आदि नेताओं से आग्रह किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से सरल व सौम्य व्यवहार के धनी तथा मिलनसार जनसेवक **श्री जोराराम कुमावत** को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्नभेंट कर व माला, दुपट्टा पहनाकर बधाई दी गई।

श्री डूंगरराम गेदर सूरतगढ़ से विजयी

श्री डूंगरराम गैदर ने कांग्रेस के टिकिट पर सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र से राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में 50459 मतों से जीत दर्ज की। उन्होंने जीत का श्रेय वरिष्ठ नेताओं व परिश्रमी कार्यकर्ता साथियों को दिया है, जिन्होंने अथक प्रयासों से इन्हें जिताया है। डूंगरराम गेदर शांत व सौम्य व्यवहार के नेता हैं तथा अपना जीवन जनता की सेवा के लिए समर्पित कर राजनीति के क्षेत्र में जगह बनाई है। जनसेवक के रूप में इनकी लोकप्रियता जन्म दिवस पर क्षेत्र में लगाये गये रक्तदान शिविरों से भी ज्ञात होती है, जहां हजारों कार्यकर्ता व समर्थकों ने रक्तदान किया वहीं हजारों लोग चिकित्साकर्मियों के हाथ खड़ा कर देने के कारण रक्तदान करने से वंचित रहे।

श्री डूंगरराम गेदर ने सूरतगढ़ कॉलेज से स्नातकोत्तर किया है। उनकी राजनीति की शुरुआत बसपा से हुई तथा ये इसके प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बने। इन्होंने बसपा के टिकिट पर वर्ष 1993, 1998, 2013 व 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा पर सफल नहीं रहे। आप वर्ष 2015 में जिला परिषद सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 2019 में बसपा छोड़कर कांग्रेस में समिलित हुए। इनकी प्रतिभा एवं योग्यता को निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पहचाना तथा शिल्प एवं माटीकला बोर्ड का पहले उपाध्यक्ष और फिर अध्यक्ष बनाया। इस बार इन्हें कांग्रेस ने सूरतगढ़ से प्रत्याशी बनाया और भारी मतों से विजय प्राप्त की।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से सरल व सौम्य व्यवहार के धनी तथा मिलनसार जनसेवक **श्री डूंगरराम गेदर** को पुष्प गुच्छ , स्मृति चिह्न भेंट कर व माला, दुपट्टा पहनाकर बधाई दी गई।

हरे कृष्णा मूवमेंट से डॉ. राम सिंह राजोरिया को प्रशंसा पत्र

हरे कृष्णा मूवमेंट की ओर से डा. राम सिंह राजोरिया को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र भेट किया गया है। श्री राजोरिया ने विश्व की सबसे सुक्ष्मतम गीता 5×3.5 इंच की प्लेट पर उत्कीर्ण कर अद्भुत कार्य किया है। आदरणीय अनन्त शेष दास प्रभु के हस्ताक्षरों से जारी इस प्रशंसा पत्र को श्री सनत दास प्रभु ने डा. राम सिंह राजोरिया को भेट किया है। इसके लिए माइक्रो आर्टिस्ट डा. रामसिंह राजोरिया की जितनी प्रशंसा की जाये कम है। इनके चावल के दाने पर अद्भुत कलाकृतियां बनायी। इसका विस्तृत वर्णन 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अक्टूबर 2023 के अंक में 'कुमावत गौरव' शीर्षक में प्रकाशित किया गया है।

डा. रामसिंह राजोरिया को हरे कृष्णा मूवमेंट द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

22 जनवरी को होगी अयोध्या में रामलला की प्रतिष्ठा

लगभग 500 वर्षों से अयोध्या में रामजन्म भूमि मंदिर पर बाबरी मस्जिद बनाकर कब्जा कर लिया था। अब उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद अयोध्या में राम जन्मभूमि पर श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया जा रहा है। इस मंदिर में 22 जनवरी, 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र होंगे। मंदिर निर्माण तथा इस कार्यक्रम की व्यवस्था जोर-शोर से की जा रही है। अगले दिन से मंदिर आम भक्तों के लिए खोला जाएगा। यहां सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था प्रशासन द्वारा की जा रही है। भारत भर से आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने के लिए जहां होटल व गेस्ट हाउस पहले से ही बुक हो गए हैं वहीं प्रशासन द्वारा टेन्ट सिटी की व्यवस्था भी की जा रही है। सभी प्रान्तों के भण्डारे लगाए जाएंगे जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को उनकी रुचि का भोजन उपलब्ध हो सके। यहां **दिल्ली** के राजमा-चावल, **पंजाबी** छोला-भटूरा, परांठा व हलूवा, **महाराष्ट्र** की पावभाजी, **राजस्थान** का दाल-बाटी-चूरमा तथा **तमिलनाडू, आन्ध्रप्रदेश, केरल** की इडली-सांभर-डोसा भी उपलब्ध होंगे।

श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन की अच्छी व्यवस्था की जा रही है। भारतीय रेलवे द्वारा 15 जनवरी से ही अयोध्या के लिए प्रमुख राज्यों व शहरों से लगभग 1000 विशेष रेलगाड़ियां चलाने पर कार्ययोजना बना रही है। इस समय अयोध्या की ओर पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित है। इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 70 देशों के राजनयिक भी भाग लेंगे। अमेरिका के 1100 मंदिरों में 15 जनवरी से रामनाम संकीर्तन का जाप व भजन होंगे तथा 21 जनवरी को इन मंदिरों को दीप जलाकर रोशन किया जाएगा।

22 जनवरी, 2024 राममंदिर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा

रामलला की पहली आरती जोधपुर के घी से

जोधपुर के बनाड की श्रीश्री महर्षि संदीपनी रामधर्म गोशाला से देव दीपावली के शुभ अवसर 27 नवम्बर, 2023 को 11 सजे- धजे रथों में 600 किग्रा शुद्ध देशी घी 108 कलशों में रखकर पूजा-अर्चना की। भक्तों ने श्रीराम का जयघोष किया तथा कलशों की आरती की। इसके पश्चात महर्षि संदीपनी महाराज इन रथों के साथ जोधपुर से 1150 किमी. दूर अयोध्या के लिए रवाना हुए। ये रथ जोधपुर से जयपुर-भरतपुर-मथुरा-लखनऊ होते हुए अयोध्या पहुंचे। जब 22 जनवरी 2024 को श्रीरामलला अयोध्या में जन्मभूमि पर निर्माण किये जा रहे मंदिर में विराजेंगे तो उनकी पहली पूजा अर्चना, आरती व हवन इस घी से होगा। महर्षि संदीपनी ने 20 वर्ष पूर्व संकल्प लिया था कि अयोध्या में जब भी श्रीराम का मंदिर बनेगा उसके लिए वे यहां से घी लेकर जायेंगे। जब उन्होंने इस संकल्प को लोगों को बताया तो मजाक उड़ाया पर महंत की मेहनत व लगन को देखकर सहयोग करने लगे। पिछले 9 वर्षों से यह घी एकत्र कर मटकों में संरक्षित किया जा रहा था। इसके लिए जड़ी-बूटियों का प्रयोग किया तथा गायों की डाइट में बदलाव कर उन्हें केवल हरा व सूखा चारा दिया गया तथा फिर स्टील की टंकियों में घी को रखा। 9 वर्षों में यह घी खराब नहीं हुआ।

वर्ष 2014 में जोधपुर से एक ट्रक में गोकशी के लिए 60 गायें ले जा रही थी, इसे पकड़कर गायों को मुक्त कराया गया। इन गायों को बनाड़, जोधपुर लाकर गौशाला स्थापित कर रखा गया था। इनसे प्राप्त घी को बेचा नहीं गया तथा महर्षि संदीपनी महाराज ने संकल्प लिया कि जब भी अयोध्या में श्रीराम का मंदिर बनेगा तो इस घी को वो अयोध्या लेकर जायेंगे व श्रीराम जी को समर्पित करेंगे। अब इसी घी से श्रीरामलला की प्रथम आरती व हवन होगा जिसे 11 रथों व 97 प्रतीक रखों में ले जाया गया है। प्रत्येक रथ को बनाने पर 3.50 लाख रुपये का खर्च आया है। अयोध्या में रामजन्मभूमि ट्रस्ट को यह घी सुपुर्द कर दिया गया है।

6 जनवरी को सजेगा बाबा श्याम का दरबार

''एक शाम श्याम सांवरे के नाम'' के पोस्टर का विमोचन

श्री श्याम प्रेमी परिवार, जयपुर व श्री श्याम सेवक परिवार समिति रजि. के तत्वावधान में भजन संध्या ''एक शाम श्याम सांवरे के नाम'' 6 जनवरी 2024 को ओमकार मैरिज गार्डन, सोडाला में आयोजन किया जायेगा। आयोजन को लेकर पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। कार्यक्रम संयोजक शंकर बालोदिया व डिंपल बालोदिया हैं। कार्यक्रम में मनीष गर्ग (घी वाले, धमाल किंग) अपनी विशेष प्रस्तुति से श्री श्याम प्रभु को रिझायेगें। कार्यक्रम संयोजक शंकर बालोदिया ने बताया कि श्याम प्रभु का अलौकिक श्रृंगार कर छप्पन भोग की झांकी सजाई जायेगी। पावन अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलित कर महाआरती की जायेगी साथ ही इत्र वर्षा व पुष्प वर्षा भी की जायेगी। साज-सज्जा कृष्णा म्यूजिकल ग्रुप, जयपुर व ध्वनि प्रसारण अजमेरा साउण्ड, जयपुर द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम में तृप्ति लड्ढा, महेश परमार, भारती कुमावत, हरीश वर्मा, रितु पांडे, पवन गुप्ता, अमित नामा, अभिषेक खण्डेलवाल, प्रथम कुमावत, जगमोहन शर्मा, अनुज गोयल, नितिन मोदी व रिहांश गर्ग अपनी रसमयी वाणी से बाबा श्याम को रिझायेगे।

कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, मालवीय नगर के विधायक कालीचरण सराफ व भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने किया। इस अवसर पर जयसिंह गुडीवाल, संदीप कुमावत, उषा कुमावत, नीतू गैदर, पीयूष कुमावत, चेतन बालोदिया, शंकर बालोदिया, राजेन्द्र सैनी, राकेश सोनी व तनुज कुमावत उपस्थित थे।

स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा प्रथम सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मलेन 17 अप्रैल 2024 को

स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा प्रथम सर्व समाज सामूहिक विवाह 17 अप्रैल 2024 को सिरसी रोड़, जयपुर में आयोजित किया जायेगा। रजिस्ट्रेशन 31 मार्च 2024 तक करवाये जा सकते हैं। जिसकी तैयारियों जोरों पर है। समिति के अध्यक्ष अशोक कुमावत, मंत्री गोविन्द वर्मा, कोषाध्यक्ष गुरूदयाल वर्मा, सहायक मंत्री महेन्द्र कुमावत व समिति के सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

समिति अध्यक्ष अशोक कुमावत ने बताया कि समाज को जात पांत के आधार पर तोड़ने की कुचेष्टायें हो रही हैं। ऐसे में सर्वसमाज सामूहिक विवाह सम्मलेन सामाजिक समरसता की मिसाल साबित होंगे। आज परिवर्तन का दौर है। हम सबको समय की आवश्यकता समझते हुए ऐसे सम्मेलनों का हिस्सा बनकर समाज को प्रोत्साहित करना चाहिए। पढ़े-लिखे बच्चों को अपने माता-पिता को अपना विवाह सामूहिक विवाह सम्मेलनों में करवाने के लिए मनाना चाहिए। ऐसा करने से समाज में एक नई चेतना का संचार हो सकता है।

संस्था के सदस्य नीरज कुमार शर्मा, चन्द्रप्रकाश कुमावत, मुकेश गुप्ता, हेमन्त गुप्ता, रमेश कुमावत व धनश्याम सैनी ने बताया कि सम्मेलन में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संकल्प दिलाया जायेगा।

एडवोकेट बार एसोसिएशन के चुनाव में समाज के अधिवक्ताओं की जीत

राजस्थान में हुए बार एसोसिएशन के चुनावों में कुमावत समाज के अनेक अधिवक्ताओं ने कडे मुकाबले में जीत दर्ज कर अधिवक्ता समुदाय में अपना वजूद कायम किया है। विजेताओं का विवरण निम्न प्रकार है:

1.श्री उमाशंकर वर्मा अध्यक्ष, श्रीगंगानगर, 2. श्री श्रवण कुमावत महासचिव, रेनवाल, जयपुर, 3. रेखा कुमावत, उपाध्यक्ष दांतारामगढ़, सीकर, 4. श्री राम प्रसाद कुमावत पुस्तकालय अध्यक्ष, केकड़ी, अजमेर, 5. श्री सुरेश कश्यप कुमावत, कार्यकारिणी सदस्य, राजस्थान हाई कोर्ट, जयपुर, 6. श्री संजय भारती जी कार्यकारिणी सदस्य राजस्थान हाई कोर्ट, जयपुर, 7. श्री मनोज कुमावत कार्यकारिणी सदस्य, सांगानेर, जयपुर, 8. श्री नारायण लाल कुमावत पुस्तकालय सचिव, भीलवाड़ा, 9. श्री अरुण कुमावत, कार्यकारिणी सदस्य, जयपुर, 10. श्री राजकुमार मेडतिया, सचिव, सुमेरपुर, 11. श्री नाथूराम कुमावत, कोषाध्यक्ष, बाड़मेर

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से इन सभी अधिवक्ताओं को जीत की बहुत-बहुत बधाई।

माँ के निधन पर 11 संस्थाओं को ढाई लाख रुपए सहायता दी

कुमावत समाज के खारिया, कुचामनसिटी के पीपलोदा परिवार में श्रीमती सोहनी देवी का निधन हो गया। श्रीमती मोहनी देवी के पति श्री मोहन लाल बचपन से ही गूंगे-बहरे हैं तथा स्वयं वे निरक्षर थी। किन्तु स्व. श्रीमती सोहनी देवी शिक्षा का महत्व समझती थी और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाई। उनका एक पुत्र श्री रामनिवास केमिस्ट है और शहर में उनकी मेडिकल शॉप है। दूसरा बेटा श्री प्रभु दयाल कुमावत राजस्थान राज्य भण्डार व्यवस्था निगम में वरिष्ठ भण्डार प्रबन्धक है एवं उनकी पत्नी फतेहपुर कृषि महाविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर है।

माँ के निधन पर इनके पुत्रों व परिवार ने 2 लाख 52 हजार रुपये शहर की सामाजिक सेवा संस्थाओं को सेवा कार्य के लिए सहयोग राशि दी। माँ की स्मृति में कुमावत विकास समिति को सामुहिक विवाह और भवन निर्माण हेतु 51 हजार रु., समस्त कुम्हारान ट्रस्ट शिव मंदिर में मंदिर निर्माण हेतु 51 हजार रुपये, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उत्तर खारिज में लाइब्रेरी सेटअप व पुस्तकों के लिए 41 हजार रु., श्री मोहन गो सेवा समिति खारिया हिराणी को 21 हजार रुपए गोसेवा हेतु, सम्पर्क संस्थान को मूक-बधिर बच्चों के लिए 21 हजार रुपए, कुचामन विकास समिति को 15 हजार रुपये, लायन्स क्लब कुचामन फोर्ट को 15 हजार रुपए एवं गंगादास की बगीची को 11 हजार रुपये की सहायता राशि दी।

पीपलोदा परिवार के कुरीति त्याग करके किये इस नवाचार की चारों ओर सराहना हुई। अपनी माँ की स्मृति में इससे अच्छा और क्या कार्य हो सकता है। कुमावत समाज न केवल इस अनुकरणीय सामाजिक पहल की सराहना करे अपितु स्वयं भी अनुसरण करने को प्रेरित हो। जिससे की किसी अपने की मृत्यु पर मृत्यु भोज आदि अनावश्यक कुरीतियों पर किये जा रहे खर्च के बजाए सामाजिक संस्थाओं के उत्थान व विकास में राशि का सदुपयोग हो सके।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से स्व. श्रीमती सोहनी देवी को सादर श्रद्धांजलि।

अनुकृति की याद में... गरीबों को कराया भोजन

अनुकृति कुमावत की याद में परिवारजनों द्वारा सेवा भारती आश्रम के बच्चों को अपने हाथों से भोजन कराया। सेवा भारती की संस्थापिका विमला देवी कुमावत ने बताया कि अनुकृति के पिता राकेश कुमावत व माता मीना कुमावत ने सेवा भारती आश्रम पहुंचकर सभी को अपनी ओर से भोजन कराने की इच्छा जताई। राकेश कुमावत ने बताया, उन्हें पता चला कि समाज की विमला देवी कुमावत काफी समय इस आश्रम का संचालन कर रही है जहां गरीब, बेसहारा बच्चों को रहने से लेकर खाने की सुविधा मुहैया करा रही है और कोई भी व्यक्ति अपने किसी परिजन की स्मृति, शादी की सालगिरह तथा किसी मौके पर यहां सहयोग कर भोजन करा सकता है, इसलिए वे यहां आए। महिला चिकित्साालय सांगानेरी गेट में लंगर सेवा, फल वितरण व अल्पाहार सेवा भी दी गई। कुमावत ने कहा कि मुझे यहां आकर शांति मिलती है उन्होंने यह भी कहा कि वे सभी को मानव सेवा के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्य में सहभागी बनें।

इस अवसर पर समाजसेवी, भामाशाह, टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक व ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, सत्यनारायण कुमावत रिटायर्ड एडिशनल SP, जयसिंह कुमावत, राकेश कुमावत एडवोकेट, खेमचंद खड़गटा, संदीप कुमावत, मीना कुमावत, नीतू गैदर, सोनम कुमावत, उषा कुमावत, ओमप्रकाश शर्मा, राकेश सोनी मौजूद थे।

काजल ने जीता ब्रांज मैडल

इंटर कॉलेज वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता, जयपुर सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगित में दी वर्ल्ड जिम, झोटवाड़ा, जयपुर की कालाडेरा कॉलेज की छात्रा काजल कुमावत ने ब्रांज मेडल जीता। श्री पवन कुमावत, अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी व कोच ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाया।

काजल कुमावत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

राजस्थान फोटो फेस्टिवल

रेणुका कुमावत संरक्षिका

जयपुर स्थापना दिवस 18 नवम्बर को होटल आईटीसी राजपूताना सेरेटन में राजस्थान फोटो फेस्टिवल प्रदर्शिनी का आयोजन हुआ। देश-विदेश के अनेक पर्यटकों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसमें पुराने जयपुर की झलक को बेहद खुबसूरती से प्रस्तुत किया गया था। इस प्रदर्शनी की संरक्षिका रेणुका कुमावत ने बताया कि इसमें 70 पार्टिशिपेन्ट्स ने भाग लिया तथा इनके कार्यों को दर्शकों ने सराहा है।

रमेश गैदर संपादक की कलम से

गणतंत्र दिवस 26 जनवरी

यूं तो प्राचीन भारत में गणराज्यों/गणतंत्र का अस्तित्व रहा है। महात्मा बुद्ध एवं महावीर के समय विदेह, लिच्छवी, मल्ल आदि गणराज्य अस्तित्व में थे। मुगल तथा फिर अंग्रेज हुकुमत के अधीन लम्बे कालखण्ड तक भारत अधीन रहा तथा 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद हुआ। किन्तु 26 जनवरी, 1950 को भारत का स्व-निर्मित संविधान लागू हुआ तथा इस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में अपनाया गया। किंतु इसके बीच अंग्रेजी कानून भारत सरकार अधिनियम, 1935 के प्रावधानों के अनुरूप चलता रहा था। भारत के संविधान ने भारत के लोगों को समानता, स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता, व्यापार व पेशे की स्वतंत्रता, जीवन जीने की स्वतंत्रता, अल्प संख्यकों को शैक्षणिक संस्थाएं स्थापित कर संचालन की स्वतंत्रता जैसे मूल अधिकार दिये। स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र निर्वाचन, वयस्कों को मताधिकार, विधायिका, कार्यपालिका, मूल कर्तव्य जैसे प्रावधान दिये। देश का संवैधानिक प्रमुख अब भारत का राष्ट्रपति को बनाया गया। अनेक देशों के संविधानों का अध्ययन कर उनके अच्छे प्रावधान इसमें समाहित किये गये हैं। 114 दिन बैठकें हुई तथा संविधान निर्मात्री सभा 284 सदस्यों को संविधान को बनाने में 2 साल 11 महीने और 18 दिन लगे, इसके निर्माण में डॉ. भीमराव अम्बेडकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल, अबुल कलाम, आजाद आदि का विशेष योगदान रहा, इन्होंने 26 नवम्बर 1949 को संविधान को तैयार करके सौंपा।

24 जनवरी, 1950 को संविधान निर्मात्री सभा द्वारा सर्वसम्मति से भारत के प्रथम राष्ट्रपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद निर्वाचित हुए तथा उन्होंने राष्ट्रपति के पद की शपथ ग्रहण की। लार्ड इर्विन स्टेडियम, नई दिल्ली में देश का प्रथम गणतंत्र दिवस धूमधाम एवं उल्लास से मनाया गया था। तब से हर वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस देश-विदेश में मनाया जाता है।

26 जनवरी को दिल्ली में मुख्य समारोह में इस दिन राष्ट्रपति परेड की सलामी लेते हैं, इस समारोह में विश्व के अनेक देशों से अतिथि बुलाये गये। इस भव्य परेड में भारतीय सेना, पुलिस, एन.सी.सी. आदि के दस्ते अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं तथा सेना के अत्याधुनिक साजो-सामान तथा विभिन्न राज्यों की झांकियां निकाली जाती हैं। इन्हें देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। 3 दिवस का समारोह बीटिंग रिट्रीट के साथ पूर्ण होता है। **जय हिन्द!**

23 दिसम्बर को शाहपुरा में लगता है 'शहीद मेला'

श्री केशरी सिंह बारहठ स्मारक समिति, स्थानीय नगरपालिका तथा जनसहयोग से पिछले 51 वर्षों से शाहपुरा (भीलवाड़ा) में 23 दिसम्बर को प्रतिवर्ष शहीद मेले का आयोजन किया जाता है। आज से 111 वर्ष पहले 23 दिसम्बर 1912 को भारत की आजादी के सिपाही क्रान्तिकारी अमर शहीद श्री केशरी सिंह बारहट के भाई जोरावर सिंह व पुत्र प्रताप सिंह ने लार्ड हार्डिंग पर बम फेंककर अंग्रेजी शासन को सीधी चुनौती दी थी। तब वायसराय हार्डिंग कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरित करने पर हाथी पर बैठकर जुलूस में निकला था। यद्यपि वासयराय बच गया पर बुरी तरह घायल हो गया तथा महावत की मौत हो गई। इस घटना ने अंग्रेज शासन को स्तब्ध कर दिया। इस घटना के लिए भाई बालमुकुन्द, बसंत कुमार विश्वास, अवध बिहारी व मास्टर अमीचन्द को फांसी हुई। किन्तु जोरावर सिंह व प्रतापसिंह पकड़े नहीं जा सके। जोरावर सिंह जंगलों में जिन्दगी काटते रहे तथा प्रतापसिंह गुपचुप रूप से भारत के अनेक राज्यों में जाकर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए माहौल बनाते रहे तथा नवद्वीप में रासबिहारी बोस तक पहुँच गये। वे वापस आये तथा हैदराबाद (सिंध) जाकर कम्पाउडर के रूप में रहे। पुलिस उन्हें पकड़ने वहां पहुंची पर बचकर राजस्थान आ गये। वे अपने पुराने परिचित स्टेशन मास्टर आसारानाडा (जोधपुर) से मिलने पहुंचे, जो पहले ही सरकारी गवाह बन गया था और प्रतापसिंह बारहट पकड़े गये। इन्हें कठोर यातनाएं दी गयी तथा 5 वर्ष की सजा हुई एवं बरेली जेल में रखा। वहां चार्ल्स क्लीवलैण्ड, विशेष जांच अधिकारी आये तथा अनेक प्रलोभन दिये कि साथियों का नाम पता बता दें। पर प्रताप ने कहा कि "...मैं अपनी माँ के आंसू पोछने के लिए इतनी सारी माताओं की पीड़ा का कारण नहीं बन सकता।" इससे बौखला कर उन्हें अनेक कठोर यातनाएं दी गईं तथा 25 वर्ष की आयु में प्रतापसिंह ने अपनी देह त्याग दी।

इनकी 100वीं पुण्यतिथि पर शाहपुरा की बारहठ हवेली को **राजकीय संग्रहालय** का दर्जा तथा जोधपुर के असरानाडा रेलवे स्टेशन पर **'वीर प्रतापसिंह का स्मारक'** का निर्माण कर उनके बलिदान को जीवंत किया गया। संग्रहालय में बारहट परिवार के क्रांतिकारियों ठाकुर केशरी सिंह, जोरावर सिंह व प्रतापसिंह की मूर्तियां लगी हैं, इसके अलावा यहां पर इन क्रांतिकारियों द्वारा उपयोग में लाई गई बंदुकें (4 से 4.5 फिट लम्बी), कारतूस, कटारे, घड़ी, टार्च, पगड़ी, लकड़ी की खड़ाऊ आदि रखी हुई हैं। भारत की स्वतंत्रता के लिए बारहठ परिवार के अभूतपूर्व योगदान को कभी भुलाया नहीं जायेगा, ऐसे ही बलिदानियों के बलिदान से भारत में आज हम आजादी की सांस ले रहे हैं।

मोबाइल का बाल जीवन पर प्रभाव

वर्ष 2020 में जब कोरोना ने भारत में प्रवेश किया तो वह अपने साथ कई जटिल व दु:ख भरे अनुभव लेकर आया। हमारी जीवन शैली पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गयी। कोरोना महामारी ने लोगों का सुख-चैन, सुकून सब छीन लिया। उस दौर को याद करके आज भी रूह कांप जाती है। दो वर्ष तक कोहराम मचा कर यह महामारी ईश्वर के आशीर्वाद से अन्तत: विश्व से खत्म हो गयी। मगर जाते-जाते यह हमारी जीवन प्रणाली पर अनेक प्रतिकूल प्रभाव डाल गयी। इसका एक बहुत बड़ा प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर भी पड़ा। विद्यालय बन्द होने पर एक मजबूरी हो गयी कि बच्चों को मोबाइलों या लैपटॉप से ऑनलाईन शिक्षा दी जाए ताकि उनकी पढ़ाई का नुकसान ना हो। सभी विद्यालयों ने ऑनलाईन पढ़ाना प्रारम्भ कर दिया। खैर यह उस मुश्किल भरे दौर की एक बड़ी आवश्यकता भी हो गयी थी।

आज सारा वातावरण सामान्य हो गया है और हम अपनी पुरानी व सामान्य जीवन शैली में लौट आए हैं। हम मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग सेनेटाइजर लगभग भूल चुके हैं। सब बदल चुका है, नहीं बदला तो बच्चों की ऑनलाईन पढ़ाई का पैटर्न। आज भी कई विद्यालयों में होमवर्क, प्रोजेक्ट वर्क, क्लास या बच्चे से जुड़ी कोई जानकारी, पीटीएम की तारीख हो या रिजल्ट, मोबाइल के द्वारा ही माता-पिता को इनकी जानकारी दी जाती है। प्रोजेक्ट कार्य भी अधिकतर विद्यालयों में मोबाइल या लैपटॉप द्वारा ही कराए जाते हैं। परन्तु क्या अभिभावक इस बात से परिचित हैं कि मोबाइल के अत्यधिक प्रयोग से बच्चे का स्वास्थ्य कितना दुष्प्रभाव हो रहा है। आज छोटे-छोटे बच्चों की आँखों पर चश्मे चढ़ गये है। सर्वाइकल पेन, हाथ-पैर/कमर दर्द, मोटापा तथा याददाशत में कमी, अनिद्रा, तनाव, डिप्रेशन जैसी व्याधियों से छोटे-छोटे बच्चे पीड़ित है। माता-पिता को मजबूरन बच्चों को मोबाइल फोन देना ही पड़ता है क्योंकि बच्चों की शिक्षा का सवाल है। ये बात और है कि बच्चा क्या देख रहा है, क्या सीख रहा है ? मोबाइल से पढ़ाई दरअसल बच्चे के भविष्य से बहुत बड़ा खिलवाड़ है। कुछ सालों पहले जब मोबाइल नहीं थे क्या तब बच्चे पढ़ते नहीं थे या विद्यालय की जानकारी माता-पिता तक नहीं पहुंचती थी। तब स्कूल की डायरी हुआ करती थी जिसमें टीचर हर सूचना लिखकर माता-पिता तक पहुंचाते थे और बच्चा उस पर अपने अभिभावक के हस्ताक्षर करवा कर अध्यापक को दिखाता था। आज वह डायरियां गायब हो गयी है। **किसी ने ठीक ही कहा है कि यह इस सदी की आखिरी पीढ़ी है जो पुस्तक का मतलब जानती है।** मगर इस परिवर्तन का सीधा नुकसान बच्चों के विकास, उनके स्वास्थ्य तथा उनकी शारीरिक क्षमताओं पर पड़ रहा है। इस बात से अभिभावक अनजान है। संक्षेप में मैं यही कहना चाहती हूँ कि यह अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे समय रहते आवाज उठाऐं कि वही पुरानी शिक्षा प्रणाली पुन: विद्यालयों में लागू की जाए जो कोरोना से पहले चलती थी। विद्यालय और बच्चों के बीच मोबाइल का प्रयोग बन्द किया जाए ताकि बच्चों को आने वाले समय में होने वाली गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके तथा उनका शारीरिक विकास सही प्रकार से हो सके।

- उर्वशी बालोदिया

चाय दिवस!

हे भगवान ! चाय का भी दिन होता है क्या ? वो तो विटामिन टी के रूप में खून में और विचार के साथ दिमाग में बहती है।

एक शब्द में बताइए 'चाय' आपके लिए क्या है ?

मेरे लिए तो जैसे दिल के साथ धड़कन।

चाय एक प्रकार से सामाजिक नवाचार का रूप है। मेरे अनुसार चाय से समाज में, ऑफिस में, दोस्तों में विचारों को आदान-प्रदान की संस्कृति झलकती है। चाय रिश्तों को मजबूत करती है चाहे वो किसी भी धर्म या जाति का हो सबको एक साथ बंधन में बांधने का काम करती है।

हालांकि पहले से ही 21 मई को भी अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के रूप में माना जाता था, वहीं अब संयुक्त राष्ट्र द्वारा 15 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस घोषित कर दिया गया है। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर चाय के सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व पर ज़ोर देना है ! वैसे ठीक ही किया मई के बजाय दिसम्बर माह ठण्डा रहता है और चाय पीने का मजा आप दिसम्बर में अच्छे से ले पायेंगे। अब तो चाय के भी अनेक प्रकार है जैसे दूध वाली चाय, ग्रीन टी, मसाला टी, लेमन टी आदि। अब खुद भी चाय पीये व औरों को भी पिलाएं।

- अमिता कुमावत

समाज के संदर्भ में चुनाव

यह सही वक्त है कुमावत समाज के संदर्भ में हाल ही निपटे विधानसभा चुनाव व आने वाले लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका निर्वहन के बारे में मंथन व मनन करने का।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को ले तो सबसे पहला कदम होता है सभी समाजों द्वारा जातिगत समीकरण को बिठाना ओर इसके लिए करीब-करीब सभी छोटे-बड़े समाजों ने महापंचायत के रूप में अपना शक्ति प्रदर्शन किया, जहां तक समाज की एकजुटता का प्रश्न हो वहां ऐसे प्रदर्शनों में सारी सामाजिक संस्थाएं एक होकर सामाजिक समरसता दिखाती है और एक मंच साझा करती है किन्तु हमारी राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं को दरकिनार करना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने के समान है। विधानसभा के टिकिट की बात करें तो उनमें भी महापंचायत कोई इजाफा नहीं करवा पाई। सत्ताधारी कांग्रेस ने भी कुमावत समाज के नये चेहरे को टिकट देने में कंजूसी करी। अर्थात महापंचायत से पूर्व वही जाने पहचाने चेहरे श्री जोरारामजी, श्री डूंगररामजी, श्री गजानंदजी, श्री सुरेन्द्रजी गोयल व श्री निर्मलजी कुमावत रहे जिन्हें पार्टियों ने बाद में भी टिकिट देकर नवाजा और परिणाम भी हमारे सामने रहे। हालांकि पूरे कुमावत समाज ने अपने स्वयं के स्तर पर इस पंचायत को पूरा सम्मान दिया। यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं की महिलाओं की सक्रिय भूमिका को हमेशा की तरह नगण्य ही रखा गया।

समाज राजनीतिक क्षेत्र में जस की तस है। सन् 2024 भी चुनावी वर्ष के रूप में महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी वर्ष केन्द्र सरकार भी नए सिरे से अपना मूर्त रूप लेने जा रही है और प्रजातंत्र की परिपार्टी हेतु एक लोकसभा चुनाव इसमें जुड़ने जा रहा है। यदि हालिया चुनाव में कुमावत समाज दमखम के साथ अपना वर्चस्व स्थापित कर पाता तो दो राय नहीं की यही समाज सांसद देने में भी समर्थ होता। यदि हम अन्य पिछड़ा वर्ग की भी बात करें तो हमारे विधानसभा प्रत्याशियों की संख्या नगण्य सी है।

हम हमारी भावी पीढ़ी के राजनैतिक करियर की बात तो करते हैं किन्तु उन्हें आगे बढ़ाने की रणनीति ही नहीं बना पाते और इस हेतु आवश्यक है सभी संस्थाओं का एक जाजम पर बैठना और ठोस निर्णय लेना। जब तक सारे प्रतिनिधि राय-मशविरे में एकमत नहीं होंगे हमारा समाज राजनैतिक क्षेत्र में पिछड़ा ही रहेगा। अभी भी समय है समझबूझ व दूरदर्शिता के साथ आगे बढ़ने का व समाज को एक नई राह दिखाने का। ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां अपने इतिहास पर नाज कर सकें।

सभी सामाजिक संस्थाएं महिलाओं को भी प्रथम पंक्ति में आने का अवसर प्रदान करें और सभी क्षेत्रों में उन्हें भी आगे बढ़ने दें वे आपकी प्रतिद्वंदी नहीं वरन् समाज के उत्थान में पुरुष वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रगति के पथ पर समाज को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

– **भारती तोंदवाल,** अध्यक्षा, कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

रामंदिर के सम्बन्ध में

रामजन्म भूमि केस में अहम भूमिका थी एडवोकेट के. पाराशरण की

उच्चतम न्यायालय में वर्ष 1958 से वकालत प्रारम्भ कर वर्ष 2016 तक 85 वर्ष तक वकालत करने वाले एडवोकेट के. पाराशरण श्री रामजन्म भूमि के मामले में रामलला (हिंदु पक्ष) के वकील थे। इन्होंने 6 दशक के दौरान रामसेतु, शबरीमाला, रामजन्म भूमि आदि प्रकरणों में वकालत कर ये मामले जीते। उच्चतम न्यायालय में 40 दिन नियमित सुनवाई के दौरान 170 घण्टे नंगे पाव खड़े रहकर जमकर दलीलें दी व बहस की। उन्होंने सुनवाई के दौरान कोर्ट से कहा कि वे अंतिम सांस लेने से पहले इस केस में पूरा न्याय चाहते हैं।

ये श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्याय के संस्थापक ट्रस्टी है। उनका कहना है कि ''यह तो प्रभु इच्छा थी कि उन्होंने इस कार्य के लिए मुझे चुना, मैं तो निमित्त मात्र हूँ।'' ये भारत सरकार से पद्मभूषण (2023) व पद्म विभूषण (2011) सम्मान से सम्मानित किये जा चुके हैं। वर्ष 2019 में ''वरिष्ठ नागरिक सम्मान'', वर्ष 2020 में 'स्वराज पुरस्कार' तथा वर्ष 2023 में डॉ. हेगडेवार प्रज्ञा सम्मान से नवाजा जा चुका है। आज ऐसे ही कर्मठ लोगों के कारण राम जन्म भूमि पर राममंदिर बन रहा है जिसमें रामलला 22 जनवरी 2024 को विराजेंगे।

सामुहिक विवाह

- 14 फरवरी, 2023 (बसंत पंचमी) श्री कुमावत क्षत्रिय सामुहिक विवाह समिति जयपुर (32वां सामुहिक विवाह सम्मेलन)
- 12 मार्च, 2024 (फुलेरा दूज) श्री कुमावत समाज सामुहिक विवाह व विकास समिति भेंदबालाजी (20वां सामुहिक विवाह सम्मेलन)
- 12 मार्च, 2024 (फुलेरा दूज) श्री कुमावत पंचायत सभा, ब्यावर (22वां सामुहिक विवाह सम्मेलन)
- 17 अप्रेल, 2024 (रामनवमी) श्री कुमावत समाज सुधार व सेवा समिति, नावां (16वां सामुहिक विवाह सम्मेलन)
- 17 अप्रेल, 2024 (रामनवमी) स्वामिनी सेवा, संस्था, सोडाला, जयपुर (प्रथम सर्वसमाज सामुहिक विवाह सम्मेलन)

अंधकार से उजास की ओर बढ़ने व अनेकता में एकता का संवाहक पर्व है : मकर संक्रांति

हमारी भारतीय संस्कृति में त्योहारों, मेलों, उत्सवों व पर्वो का महत्वपूर्ण स्थान है। यहां साल में दिन कम और त्योहार अधिक है। ऐसे में यह कहे तो भी अतिश्योक्ति नहीं होगी कि यहां हर दिन होली और हर रात दिवाली होती है। दरअसल, ये त्योहार ओर मेले ही हैं जो हमारे जीवन में नवीन ऊर्जा का संचार करने के साथ ही परस्पर प्रेम और भाईचारे को बढ़ाते हैं। एक ऐसा ही **'तमसो मां ज्योर्तिगमय'** का साक्षात् प्रेरणापुंज, अंधकार से उजास की ओर बढ़ने व अनेकता में एकता का संवाहक पर्व है मकर संक्रांति। मान्यता है कि यह समय देवताओं के लिए दिन तथा असुरों के लिए रात्रि का काल है। यहीं से पृथ्वीवासियों के लिए भी प्रकाश बढ़ने लगता है। वैदिक काल से ही हमारी धारणा है, **'तमसो मां ज्योर्तिगमय।'** भारतीय मनीषी सदा तमस से निकलकर प्रकाश की ओर चलने का संदेश देते रहे हैं।

शास्त्रों के अनुसार, सूर्य के दक्षिणायण रहने का पूरा दौर देवताओं के लिए निशाकाल होता है, जबकि उत्तरायण की अवधि दिन का समय। इसीलिए मकर संक्रांति को नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मकता में प्रवेश करने का अवसर भी माना जाता है। इस अवसर पर गंगा-यमुना और तीर्थराज प्रयाग के संगम से लेकर गंगा-सागर के महासंगम तक में स्नान-दान आदि करने का प्रावधान है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा की ओर आ जाता है अर्थात् दक्षिणायन से उत्तरायण में प्रवेश करता है। इससे धरती पर धीरे-धीरे ऊष्णता बढ़ती है। ऊष्णता बढ़ने के साथ-साथ जीव जंतुओं एवं पौधों में भी नई स्फूर्ति आने लगती है। धीरे-धीरे इस पृथ्वी पर एक नई चमक एवं नया सवेरा सा दिखाई देने लगता है।

मकर संक्रांति को मनाने के पीछे अनेक धार्मिक कारण भी है। पौराणिक मान्यता है कि इसी दिन गंगा भागीरथ के पीछे चलकर कपिल मनु के आश्रम से होते हुए सागर में जा मिली थी। तो वहीं इस दिन भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण की दिशा में गमन के साथ ही स्वेच्छा से अपना देह त्यागा था। यह दिन श्रद्धा, भक्ति, जप, तप, अर्पण व दान-पुण्य का दिन माना जाता है। या यूं कहें कि हिंदू धर्मावलंबियों के लिए मकर संक्रांति का महत्व वैसा ही जैसा कि वृक्षों में पीपल, हाथियों में ऐरावत और पहाड़ों में हिमालय का है। भले मकर संक्रांति का पर्व देश के विभिन्न प्रदेशों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता हो पर इसके पीछे भावना एक ही है। तिल और गुड़ के व्यंजन हमें एक होने का संदेश देते है। तो वहीं नीले अंबर में शीतल वायु के संग उड़ती पतंगें मानवीय यथार्थ से रू-ब-रू करवाती है। इंसान को शिखर पर पहुंचकर भी अभिमान नहीं करना चाहिए यह पतंग भली-भांति समझाती है। जिस प्रकार पतंग भले कितनी ही क्यूं ना ऊंचे आकाश में उड़े पर उसे खींचने वाली डोर इंसान के हाथ में ही रहती है। वैसे ही इंसान भी भले कितना ही अकूत धन-दौलत के अभिमान की हवा के बूते विलासिता व ऐश्वर्य के आसमान में उड़े लेकिन उसके सांसों की डोर भी परमपिता परमेश्वर के हाथों में ही रहती है। अत: पतंग हो या इंसान दोनों का माटी में विलीन होना तय है। इसलिए इंसान को भूलकर भी अपने जड़ों और संस्कारों से हटकर कोई गलत कार्य नहीं करना चाहिए।

संक्रांति प्रतीक है परिवर्तन का, सामाजिक समरसता का, एकता व बंधुत्व का। तिल गुणवान हैं परंतु गुड़ के बिना बेस्वाद, जिनको खाया नहीं जा सकता। घी डलते ही खिचड़ी की गुणवत्ता दोगुनी हो जाती है। गुड़ के बिना तिल का महत्त्व नहीं और घी के बिना खिचड़ी अधूरी, समाज में दूसरे के बिना मैं अधूरा, इसी तरह मैं भी किसी का पूरक। एक-दूसरे का महत्त्व समझते हुए समाज में समरस होकर रहना संदेश है मकर संक्रांति का। आज जब देश में सामाजिक एकता के ताने बाने को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास चल रहा है, जातिवाद, सांप्रदायिकता के नाम पर एक वर्ग को दूसरे से लड़ाने के प्रयास हो रहे हैं तो समरस, सरस और सर्वसमाज समभाव का संदेश लेकर आ रही है मकर संक्रांति।

समाजसेवी सुरेन्द्र कुमार नागा का कहना है कि मकर संक्रांति सामाजिक समरसता एवं एकता का त्योहार है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ समाज से एकाकार होने का संदेश देता है। जिस तरह विभिन्न प्रकार के अन्न गुड़ के साथ मिलकर स्वादिष्ट व्यंजनों की सृष्टि करते हैं तथा चावल-दाल, उड़द मिलकर एकाकार हो खिचड़ी जैसे सुपाच्य व पुष्टिवर्धक व्यंजन का निर्माण करते हैं, उसी प्रकार समाज के सभी वर्ग मिलकर कार्य करें तो संगठित और शक्तिशाली समाज की रचना हो सकती है।

मकर संक्रांति पर्व है राष्ट्रजीवन में परिवर्तन के संकल्प, सामाजिक एकता, जातिगत, भाषागत, क्षेत्रगत भेदभाव भुलाकर एक सशक्त समाज का निर्माण करते हुए एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखने का। **आओ मकर संक्रांति के तिल के लड्डूओं से हम एक-दूसरे से मिल कर रहने का ज्ञान लें, समाज में घी-खिचड़ी बनकर रहने की आदत सीखें। समाज एकजुट होगा तो समाज में क्रांति आना निश्चित है, नया सवेरा जरूर आएगा, रिश्तों की सर्द रातें जरूर ऊष्मा भरे दिवस में परिवर्तित होंगी।**

- सोनम कुमावत
बरकत नगर, जयपुर

अभिनन्दन नववर्ष

कुमावत समाज: नववर्ष के कुछ संकल्प

नया साल नई शुरुआत, नई उम्मीदें, नए सपने, नए लक्ष्य और नए विचारों की प्रेरणा देता है, इसलिए हर कोई इसका खुशी-खुशी स्वागत करता है।

अधिकांश लोगों के लिए, नया साल दुखों और बुरे अनुभवों को पीछे छोड़कर, अपने और अपने प्रियजनों के लिए सुख, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और भाग्य की कामना करने का एक सुनहरा अवसर होता है।

पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा 365 दिन और 6 घण्टे में पूरा करती है। जनवरी से दिसंबर तक इन 365 दिनों की गणना मानी जाती है। पृथ्वी सूर्य का एक चक्र पूर्ण कर लेती है तो यह समय 365 दिन का होता है और इस कालखंड को हम एक वर्ष कहते हैं। यानी नववर्ष का आगमन वैज्ञानिक तौर पर पृथ्वी की सूर्य की एक परिक्रमा पूर्ण कर नई परिक्रमा के आरंभ के साथ होता है।

वो परिक्रमा जिसमें ऋतुओं का एक चक्र भी पूर्ण होता है। पूरे विश्व में एक जनवरी को इस परिक्रमा के पूर्ण होने का उत्सव मनाया जाता है।

जनवरी को ही नया साल मनाने के पीछे कई अन्य मान्यताएं और कारण हैं। इसके बारे में सबसे प्रचलित मान्यता यह है कि जनवरी माह का नाम दो मुख वाले रोमन के देवता 'जानूस' के नाम पर रखा गया था।

देवता जानूस का एक मुख आगे की तरफ और दूसरा मुख पीछे की तरफ था, जिसके चलते उन्हें बीते हुए कल और आने वाले कल के बारे में पता रहता था। इसलिए देवता जानूस के नाम पर 1 जनवरी को नए साल की शुरुआत के रुप में मनाया जाता है। इसके अलावा 1 जनवरी को नया साल मनाने की पीछे एक अन्य वजह यह भी मानी जाती है कि करीब 45 ईसा पूर्व में रोम के बादशाह जुलियर सीजर ने जुलियन कैलेंडर का निर्माण करवाया था, तब से लेकर आज तक 1 जनवरी को साल के पहले दिन के रुप में मनाते हैं। हालांकि जुलियन कैलेंडर में काफी त्रुटियां पाए जाने के बाद ग्रिगोरियन कैलेंडर आया। 1 जनवरी को मनाए जाने वाला नया साल ग्रिगोरियन कैलेंडर पर आधारित भी माना जाता है। इसकी शुरुआत 15 अक्टूबर, 1582 से हुई थी। ऐसा माना जाता है कि ईसाई धर्म के लोगों ने क्रिसमस के पर्व की तारीख सुनिश्चित करने के लिए ग्रिगोरियन कैलेंडर की शुरुआत की थी, क्योंकि इससे पहले क्रिसमस मनाने की भी कोई भी तिथि निर्धारित नहीं थी।

हालांकि, हिन्दू धर्म में चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा या फिर चैत्र नवरात्र के पहले दिन से नव वर्ष की शुरुआत मानी जाती है, जबकि इस्लाम धर्म के लोग मोहर्रम माह की 1 तारीख से नया साल की शुरुआत मानते हैं तो वहीं पंजाबी लोग बैसाखी, गुजराती लोग दीपावली के दूसरे दिन से और महाराष्ट्र के लोग गुड़ी पड़वा से नव वर्ष की शुरुआत मानते हैं।

कई लोग नये साल से कुछ नया करने का निश्चय करते है। कुमावत समाज को अग्रणी बनाने का जो स्वप्न हम सभी ने देखा है उसे साकार करने के लिए हमें भी नववर्ष में कुछ संकल्प लेने चाहिए।

नववर्ष : 10 संकल्प कुमावत समाज के लिए:

1. सामाजिक एकता का संकल्प अर्थात हम समाज को एकजुट करने के प्रत्येक कार्य में सहभागी बनेंगे। शारीरिक, मानसिक व आर्थिक रूप से जो भी संभव होगा। हम सामाजिक एकता के इस महायज्ञ में अपना योगदान अवश्य करेंगे।

2. समाज के विकास की सोच रखें।

'यही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे।
वही मनुष्य है ,जो मनुष्य के लिए मरे।।'

इस पंक्ति को चरितार्थ करते हुए हम सिर्फ अपने नहीं, **दूसरों के विकास के बारे में भी सोचेंगे।**

3. रूढ़िवादिता को दूर करने का प्रयत्न करेंगे। समाज में विभिन्न प्रकार की रूढ़ियों फैली हुई है चाहे भात लेना हो, मृत्यु भोज हो या पर्दा प्रथा हम सभी अपने-अपने स्तर पर इसे दूर करने का प्रयत्न करेंगे।

4. सहयोग की भावना का विकास करेंगे। हम अपने समाजबंधु को पूर्ण सहयोग देने की भावना रखेंगे। हमेशा याद रखिए, सहयोग देते हैं तो सहयोग मिलता भी है। इंसान को किसी भी काम में मदद की आवश्यकता पड़ सकती है। अत: विशेष कर अपने समाजबंधुओं के साथ सहानुभूति की भावना रखेंगे।

5. स्व-अनुशासन की आदत डालेंगे। जब एक व्यक्ति अनुशासित होता है तो पूरा समाज स्वत: ही अनुशासित होना प्रारंभ हो जाता है। हमेशा याद रखें अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है।

6. बचत द्वारा हम बड़े-बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। आजकल शादी-विवाह आदि बड़े-बड़े आयोजनों में पैसा पानी की तरह व्यर्थ बहाया जाता है। इसके बदले बचत कर उस धन का उपयोग रोजगार, शिक्षा आदि समाज कार्यों में किया जा सकता है। महंगा घर, महंगी कार, महंगे आभूषण इनके लोभ से बचने में ही फायदा है।

7. लीक से हटकर सोचने का प्रयत्न करेंगे। जब हम

अपने समाज को आगे बढ़ाना चाहते हैं तो हमें पुरानी परिपाटी को छोड़ कुछ नया व कुछ out of the box थिंकिंग लानी होगी। रचनात्मक सोच द्वारा ही हम पुरानी समस्याओं का नया समाधान खोज पाएंगे ।

8. जोश व उत्साह जीवन के प्रेरक तत्व है। अपने **प्रत्येक कार्य को जोश के साथ** करेंगे। समाज का प्रत्येक कार्य पूर्ण जोश व उत्साह के साथ करने की आदत डालेंगे।

9. हम एक **सच्चे नेता की तरह सोचने का प्रयास** करेंगे। हम सभी में लीडरशिप के गुण मौजूद है। हम यदि अपने परिवार को एक सार्थक नेतृत्व दे सकते हैं तो समाज को क्यों नहीं ? प्रत्येक व्यक्ति खुद को समाज का सिपाही समझे तो जीत निश्चत है।

10. **बुराई पर ध्यान नहीं देने का संकल्प** करेंगे। जो व्यक्ति कार्य करता है, उसकी ही बुराई होती है। 'कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना।' अत: सामाजिक कार्यकर्ता को किसी भी तरह की आलोचना पर ध्यान न देकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में जुटे रहना चाहिए।

आप सभी से आशा है कि व्यक्तिगत संकल्प के साथ-साथ आप नए साल 2024 में समाज के लिए भी कुछ लक्ष्य निर्धारित करेंगे। इसी उम्मीद के साथ नव वर्ष की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। नववर्ष के अवसर पर हरिवंश राय बच्चन की यह प्रसिद्ध कविता आपके समक्ष प्रस्तुत है:

वर्ष नव,	नवल चाह, नवल राह,
हर्ष नव,	जीवन का नव प्रवाह।
जीवन उत्कर्ष नव।	गीत नवल, प्रीत नवल,
नव उमंग,	जीवन की रीति नवल,
नव तरंग,	जीवन की नीति नवल,
जीवन का नव प्रसंग।	जीवन की जीत नवल।

कुमावत समाज को अग्रणी समाज बनाने के लिए आप भी अपने सुझाव मो.न. 9408093777 पर whatsapp कर सकते हैं।

आपके सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

– **डॉ. प्रिया मारवाल,** एसोसियेटेड प्रोफेसर

सुभाष चन्द्र बोस

23 जनवरी, 1897 को कटक (उड़िसा) में मशहूर वकील जानकीदास बोस के यहां सुभाष चन्द्र का जन्म हुआ। सुभाष पर प्रिंसीपल बेनी माधव दास के व्यक्तित्व का बहुत प्रभाव पड़ा। सुभाष ने 15 वर्ष की आयु में ही स्वामी विवेकानन्द के साहित्य को पढ़ लिया था। सुभाष पढ़ने में होशियार थे, उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.ए. (ऑनर्स) किया व विश्वविद्यालय में उनकी रैंक द्वितीय रही। वर्ष 1919 में वे इंग्लैण्ड चले गये। वर्ष 1920 में आईसीएस परीक्षा में उन्होंने चतुर्थ स्थान पर रहे। वहां से वे भारत वापस आये, गांधीजी से मिले तथा उनके सुझाव पर देशबंधु चितरंजन दास से कलकत्ता में मिले और असहयोग आंदोलन में उनके सहयोगी बने। जब चितरंजन दास ने स्वराज पार्टी गठित कर कलकत्ता म्यूनिसिपल का चुनाव लड़ा महापौर बने तो उन्होंने सुभाष बाबू को मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। सुभाष बोस ने वहां का पूरा ढांचा ही बदल डाला और काम करने के तरीके भी बदल दिये। उन्होंने इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के कार्यकर्ताओं को नियुक्ति भी दी तो जनकल्याण के कार्य भी होने लगे।

सुभाष चन्द्र बोस, जवाहर लाल नेहरू की तरह पूर्ण स्वराज्य की मांग के समर्थक थे। सुभाष बोस 11 बार जेल गये। उनका स्वास्थ्य खराब हो गया तो डॉक्टरों की सलाह पर इंग्लैण्ड चले गये। किन्तु वहां रह कर उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अनेक विदेशी राष्ट्रों के नेताओं से सम्पर्क कर समर्थन लेते रहे। वे जर्मनी गये तथा बर्लिन में आजाद हिन्द रेडियो की स्थापना की। वहां हिटलर से मिलकर भारत की स्वतंत्रता के लिए सहयोग मांगा, उन्हें बातचीत में लगा कि वे कोई विशेष सहयोग देने वाले नहीं हैं तो पनडुब्बी से जापान आ गये तथा वहां प्रधानमंत्री से मिले। जापान में वे रासबिहारी बोस से मिले। जापान में आजाद हिन्द (स्वाधीन भारत की अंतरिम सरकार) की स्थापना की, जिसे 9 देशों से मान्यता मिली।

द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान ने जिन भारतीय सैनिकों को युद्धबंदी बनाया था, उनसे सुभाष बोस ने आजाद हिंद फौज गठित की तथा अण्डमान निकोबार द्वीप पर आक्रमण कर कब्जा कर लिया। उन्होंने महिलाओं से रानी झांसी बाई रेजीमेन्ट भी बनाई। सुभाष बोस ने नारा दिया **'दिल्ली चलो'** तथा **''तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा।''** उन्होंने 30-35 हजार युद्ध बंदियों से आजाद हिंद फौज तैयार की, ऐसा उदाहरण विश्व में कहीं भी नहीं मिलता। आजाद हिन्द फौज आक्रमण कर इंफाल व कोहिमा तक पहुंच गई को वहां कब्जा कर लिया पर बाद में अंग्रेजी फौज भारी पड़ने लगी। जापानी सेना ने सुभाष बोस को वहां से भाग जाने की व्यवस्था की किन्तु वे पैदल ही साथियों के साथ मीलों चल कर सुरक्षित निकले। ऐसा देश भक्त के सामने स्वत: ही सिर झुक जाता है।

सुभाष चन्द्र बोस की मृत्यु एक विमान दुर्घटना में होने की खबर आई पर यह संदिग्ध है और रहस्य आज तक बना हुआ है। उनके जन्म दिवस पर उन्हें सादर नमन।

संकलन : 'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम

छात्रावास भूमि का कब्जा लिया गया

11 दिसम्बर 2023, जयपुर। करघनी योजना, कालवाड़ रोड, जयपुर में श्री कुमावत शिक्षा कोष ट्रस्ट (रजि.) ने राजस्थान सरकार द्वारा रियायती दर पर आवंटित 2500 वर्ग मीटर भूखण्ड का पट्टा व कब्जा समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में जयपुर विकास प्राधिकरण से लिया। इस भूखण्ड पर कुमावत समाज के छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास का निर्माण कराया जायेगा, जिससे कि वे जयपुर में रहकर शिक्षा ग्रहण कर सकें।

यह भूखण्ड श्री मुकेश वर्मा के अथक प्रयासों से कुमावत समाज को आवंटित हो पाया है, इसके लिए उन्होंने श्री अशोक गहलोत निवर्तमान मुख्यमंत्री का आभार जताया। श्री मुकेश वर्मा ने जे.डी.ए. द्वारा जारी मांग पत्र की राशि ट्रस्ट व कुछ भामाशाहों ने 1 दिन में ही जमा कराई, उनका भी आभार प्रकट किया। शीघ्र ही इस भूखण्ड पर छात्रावास निर्माण का शिलान्यास समाज के गणमान्य भामाशाहों के सहयोग से कराया जाएगा एवं एक भव्य छात्रावास भवन बनने पर जयपुर में छात्रावास की कमी को पूरा करना सम्भव होगा।

जिन समाजबंधुओं, भामाशाहों आदि का इस पावन कार्य में सहयोग रहा वे सभी धन्यवाद के पात्र हैं। श्री मुकेश वर्मा, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र युवा नेता की जितनी प्रशंसा की जाये कम है, इन्होंने जो कहा वह किया, इनके प्रयासों के लिए बहुत बहुत धन्यवाद।

-सम्पादक 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

भक्त मीराबाई का 525वाँ जन्मदिवस मनाया

23 नवम्बर, 2023 को संत मीराबाई का 525वाँ जन्मोत्सव मथुरा में ब्रज रस महोत्सव के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी थे। साथ ही राज्यपाल माननीय आनन्दी बेन व मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कृष्ण भक्त मीरा बाई की स्मृति में डाक टिकट एवं 525 रुपए का सिक्का जारी किया गया।मीराबाई की भक्ति भगवान कृष्ण को समर्पित रही और उन्हें राधा के समान दर्जा मिला। प्रसिद्ध अभिनेत्री व मथुरा से सांसद हेमामालिनी ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में मीरा के जीवन से जुड़े हर पहलू पर एक नृत्य नाटिका की आकर्षक प्रस्तुत देकर सभी का मन मोह लिया।

मीराबाई को बचपन से ही भगवान कृष्ण से प्रेम था और उनकी मूर्ति वह सदैव अपने साथ रखती थी। वह मेवाड़ के राजघराने से थी। पर कृष्ण प्रेम में वह मथुरा आ गई।

इनके गाए पद व मधुर वाणी मथुरा-वृंदावन के श्रोताओं को कृष्ण भक्ति में मंत्रमुग्ध कर देती थी। **''मीरा के गिरधर गोपाल दूसरा न कोई''** भजन आज तक भक्तों की स्मृति में है।

श्री आशुतोष कुमावत जिला न्यायाधीश का जन्मदिन मनाया

18 दिसम्बर को कैफे 99 लालकोठी, जयपुर में श्री आशुतोष कुमावत (जिला न्यायाधीश संवर्ग) संयुक्त शासन सचिव, विधि एवं विधिक कार्य विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर न्यायिक व प्रशासनिक अधिकारिगण तथा शेखर कुमावत, अशोक कुमावत, संजीव वर्मा, सूर्याअंश आसलीवाल, कालू कुमावत आदि उपस्थित रहे।

- श्री राजीव केदारनाथ आसलीवाल

रक्तदान शिविर आयोजित

स्व. श्री गैंदीलाल कुमावत एवं स्व. श्रीमती मनफूली देवी की पुण्य स्मृति में तृतीय विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन 17 दिसम्बर को कैफे-99, लालकोठी, जयपुर के परिसर में किया गया। रक्तदान में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया व 114 युनिट रक्त संग्रहित हुआ। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सिविल लाइंस विधायक श्री गोपाल शर्मा थे। पूर्व उप-महापौर मनीष पारीक, पार्षद पवन शर्मा, पुलिस अधिकारी मुकेश चौधरी, मनीष शर्मा, देशराज यादव और कई गणमान्य न्यायिक अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस अवसर पर, संयोजक गोवर्धन कुमावत, शेखर कुमावत उपाध्यक्ष राष्ट्रीय रोजगार प्रशिक्षण संस्था, संजीव वर्मा, चेतन मीना, राजीव व रवि आसीवाल, ओम प्रकाश कुमावत, मनोज कुमावत, कालू कुमावत तथा **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका से सी.एम. कुमावत एवं रमेश कुमावत आदि ने रक्तवीरों का सम्मान करते हुए उन्हे एक बैग व डायरी देकर उत्साहवर्धन किया।

पवन कुमावत ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप 2023 में जीता स्वर्ण

पवन कुमावत ने 10वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप, हैदराबाद में 20 दिसम्बर को 76 किलो भार वर्ग में 120 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में 245 भाग ले रहे हैं। पवन कुमावत ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 10 स्वर्ण, 2 रजत तथा 1 कास्य पदक जीत चुके है। पवन कुमावत को इस जीत के लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

मूर्तिकार नरेश कुमावत का मुख्य न्यायाधीश द्वारा सम्मान

भारत के मुख्य न्यायाधीश माननीय वी.वाई. चन्द्रचूड़ ने अन्तर्राष्ट्रीय मूर्तिकार नरेश कुमावत का केन्द्रीय कानून मंत्री माननीय अर्जुन मेघवाल की उपस्थिति में सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया।

नरेश कुमावत को डॉ. भीमराम अम्बेडकर की मूर्ति को भारत लाने के प्रयासों तथा न्यायालय के परिसर में लाने के लिए यह सम्मान दिया गया, बधाई।

कनाडा में बजरंग बली की 55 फुट ऊँची प्रतिमा

मूर्तिकार नरेश कुमावत द्वारा विदेश में बनाई गई मूर्तियों की कड़ी में हिंदू सभा मंदिर, टोरंटो ब्रैम्पटन, कनाडा में भगवान बजरंगबली की 55 फीट ऊंची प्रतिमा बनाई गई है।

इंशात व इशिका ने जीते पदक

कैलाश घोड़ावड़ (कुमावत) भामाशाह एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भारतीय जनता पार्टी, गुजरात के सुपत्र इशांत कुमावत व सुपुत्री इशिका कुमावत को जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता सूरत में 2 गोल्ड, 1 सिल्वर मैडल तथा 1 ब्रॉन्ज मैडल जीतने पर हार्दिक बधाई।

वाशु कुमावत को आर्चरी में सिल्वर मैडल

वाशु कुमावत पुत्र श्री शंकर लाल कुमावत (राजोरिया) निवासी सांगानेर, जयपुर को गुजरात अंडर 17 आर्चरी में सिल्वर मैडल जीतने पर हार्दिक बधाई।

पतंगबाजी खूब करें, लेकिन पक्षियों को घर आने-जाने का मौका दें

मकर संक्रांति में अब सिर्फ कुछ ही दिन शेष हैं। स्कूलों में भी छुट्टियों शुरू होने वाली है। मतलब खूब पतंगबाजी। हो भी क्यों न? संक्रांति पर पतंगबाजी जयपुर का दस्तूर है और पहचान भी। यह हमारी संस्कृति का भी एक हिस्सा है। इसके साथ ही मानवता हमारी संस्कृति का एक प्रमुख अंग है। उसको हम कैसे भूल सकते हैं? पतंगबाजी के दौरान अगर किसी मासूम की अंगुली में कट लग जाए तो थोड़ा भी खून निकलना हमें झकझोर देता है। फिर हम बेजुबान परिंदों की गर्दन कटते कैसे देख सकते हैं? हर वर्ष जयपुर शहर में मकर संक्रांति पर बडी संख्या में पक्षी मांझे का शिकार हो जाते हैं।

आप भी रखें ये सावधानियां

- घर से बाहर निकलें तो कांच सहित हेलमेट का उपयोग करें।
- गर्दन को मोटे कपड़े से लपेट कर रखें।
- दोपहिया वाहन में आगे की ओर किसी बच्चे को नहीं बैठाएं।
- यदि शरीर को मांझा छूता है तो तत्काल वाहन रोक दें।
- मांझे से कटने पर उस पर कपड़ा बांध कर तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

मकर संक्रांति के दौरान लोगों में पतंगबाजी का उल्लास चरम पर होता है। देश में प्रति वर्ष मकर संक्रांति के त्योहार के एक महीने पहले ही पतंगबाजी करने का सिलसिला शुरू हो जाता है। शीतलहर के साथ पतंगबाजी का लुत्फ उठाने को लेकर बच्चों के साथ बड़े भी अपने को रोक नहीं पाते हैं। बाजार भी पतंगों से गुलजार हो जाते हैं। लेकिन हर साल पतंगबाजी के दरमियान जो चिंताजनक पहलू निकल कर सामने आता है वो है चाइनीज मांझे के कारण बेजुबान पक्षियों की होने वाली मौतें। शेष पृष्ठ 20 पर...

नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ओबीसी मोर्चा श्याम नगर मंडल

सिविल लाईन विधानसभा, जयपुर

गणेश लाल कुमावत

अध्यक्ष श्याम नगर मंडल

गौ-सेवा सचिव (ओम मानव सेवा समिति)

मो. 7726004914

गणेश आयरन स्टोर

सरिया, सीमेंट, ईंट, रोडी, बजरी इत्यादि के थोक विक्रेता

TATA TISCON JOY OF BUILDING

RATHI STEEL BARS Steel for modern engineering

मंगला TMT BAR ANGLE & CHANNEL

मो. 9352572282, 0141-2290797

835-बी, देवी नगर, न्यू सांगानेर रोड़, सोड़ाला, जयपुर

अलविदा 2023 यादों के झरोखें से-2023 शुभ स्वागतम् 2024

जयसिंह गुडीवाल सह सम्पादक की कलम से...

नए साल 2024 की सभी पाठकों को शुभकामनाएं। जीवन का अन्दाज है-जो था, जो है, जो होगा, बस, सबकी संयोजना, संकल्पना, व्यवस्था के बदलाव का ही एक नाम है- नया जीवन, नया वर्ष और नयी शुरूआत। बीते कल के अनुभव और आज के संकल्प से भविष्य को रचें। तभी सार्थक होगा नए वर्ष की अगवानी का यह पल-यह अवसर। नए साल की शुरूआत पर कुछ नया सोचें, नया लिखें, नया करें, नया कहें और नया रचें। प्रश्न है नया हो क्या ? क्या कलेण्डर बदल देना ही नयापन है ? पर मूल में तो सब कुछ कल भी वही था, आज भी वही है और कल भी वही होगा।

2023 की धुंधली होती यादों के बीच एक और नया साल, नयी ऊर्जा, उम्मीद व आशा के साथ दस्तक देने को तैयार है। चूंकि, समय को रोका नहीं जा सकता है, इसलिए दैनंदिनी के नये अंक के साथ-साथ इस नैसर्गिक परिवर्तन को दैनिक जीवन में स्वीकार करना अवश्यंभावी जान पड़ता है। हर बीतता वर्ष अपने साथ यादों का एक बड़ा पिटारा साथ छोड़े जाता है। इन यादों में किसी व्यक्ति को किसी अपने के खोने का गम होता है, तो किसी को जिंदगी में पाने की खुशी।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका के **सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल** ने ''**यादों के झरोखें से-2023**'' के माध्यम से प्रयास किया है कि वर्ष 2023 में जो महत्वपूर्ण समाज की घटनायें, यादें हैं उनको एक माला में पिरोकर आपके समक्ष प्रस्तुत की जाये आशा है आपको अवश्य पसंद आयेगी-

जनवरी-23

1. जयपुर। गायक मोहन कुमार बालोदिया का कार्यक्रम 'पर्दा है पर्दा' का संगीत प्रेमियों ने लुप्त उठाया।
2. जयुपर। मेघना कुमावत बीजेपी महिला मोर्चा सिविल लाइन्स मण्डल की उपाध्यक्ष नियुक्त।
3. जयपुर। राकेश कुमावत व मीना कुमावत ने सेवा भारती आश्रम को वाशिंग मशीन की सौगात दी।
4. जयपुर। नानूराम कुमावत कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में अमरचंद मंडावरा प्रदेश महासचिव नियुक्त।
5. उदयपुर। ज्योति शिक्षण संस्थान उदयपुर ने समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान।
6. जयपुर। कुमावत इंडिया पत्रिका की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए राकेश कुमावत एडवोकेट को विधि सलाहकार, रवि कुमावत को सम्पादक मंडल सदस्य, राजसिंह बधानिया को व्यवस्थापक मंडल सदस्य नियुक्त किया गया।

फरवरी-23

1. जयपुर। मूर्तिकार मातुराम वर्मा को गणतंत्र दिवस के अवसर पर विशाल मूर्तियों के निर्माण के लिए सम्मानित किया गया।
2. चित्तौडगढ़। चित्तौडगढ़ में कुमावत समाज के छात्रावास का शिलान्यास हुआ।
3. जयपुर। श्री कुमावत महिला विकास समिति के तत्वाधान में 8वां खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
4. दांतारामगढ। दांतारामगढ़ के पत्रकार सुरेश नेमीवाल उपखण्ड़ स्तर पर सम्मानित हुए।
5. जयपुर। भन्दे के बालाजी में 19वां सामूहिक विवाह सम्मलेन सम्पन्न हुआ।
6. जयपुर। ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने मनाई 25वीं वैवाहिक वर्षगांठ।

मार्च-23

1. जयपुर। राजस्थान सरकार ने जयपुर डिस्कॉम में रामनिवास कुमावत को प्रबन्ध निदेशक के महत्वपूर्ण पद से नवाजा गया।
2. कुचामनसिटी। समाज एवं भाजपा के कद्दावर नेता हरिशचन्द्र कुमावत का निधन।
3. उदयपुर। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. की दो दिवसीय बैठक सम्पन्न।
4. पुष्कर। सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. के तत्वाधान में कुमावत समाज का राजनीतिक विकास पर मंथन हुआ।
5. जयपुर। भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत का 1 वर्ष का सफलतम कार्यकाल पूर्ण।

अप्रैल-23

1. जयपुर। मोहन कुमार बालोदिया का कार्यक्रम 'अंदाज अपना-अपना' महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित किया गया। हास्य कलाकार प्रथम गुडीवाल की हास्य प्रस्तुति पर लगे ठहाके।
2. जयपुर। कुमावत महापंचायत जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में सम्पन्न हुई। महापंचायत में लाखों की संख्या में समाजबंधु एकत्रित हुए।

3. जयपुर। भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर ने कुमावत समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान।
4. जयपुर। पवन कुमावत बने क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति के प्रदेश खेल मंत्री।

मई-23

1. जयपुर। नरेश कुमावत नागरिक वीरता पुरस्कार से सम्मानित।
2. लक्ष्मणगढ़। बबीता कुमावत बनी ग्राम विकास अधिकारी।
3. अजमेर। मोहनलाल कुमावत ने अपनी माताजी गुलाब देवी की मरणोपरांत आँखें दान की।
4. जयपुर। राजस्थान कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग ने ललित जालवाल व श्रीचंद खुडिया को उपाध्यक्ष नियुक्त किया। वहीं अमरचंद मडावरा को स्टेट को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किया।

जून-23

1. जयपुर। पृथ्वीराज कुमावत ने किया कजाकिस्तान में आर्ट प्रदर्शन। कुमावत अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।
2. जयपुर। कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति के चुनाव में श्रीराम कुमार निमीवाल निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
3. सूरत। तापी किनारे स्थित श्री चारभुजा मंदिर, सूरत में भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा गुजरात जोन की मीटिंग राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत की अध्यक्षता की सम्पन्न।
4. जयपुर। पावर सेक्टर्स कुमावत संगठन द्वारा श्री रामनिवास कुमावत का किया सम्मान।
5. गोविन्दपुरा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मुकेश वर्मा के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 873 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ।

जुलाई-23

1. राजस्थान कांग्रेस कमेटी ने संगठन में ललित तूनवाल को महासचिव, मुकेश वर्मा को सचिव, सुरेन्द्र लांबा को सचिव, अरूण कुमावत को सचिव नियुक्त किया।
2. जयपुर। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री महेन्द्र कुमावत के गुलाबी नगर आगमन पर टीम चेतन धुंधारिया की ओर से भव्य स्वागत किया गया।
3. जयपुर। मानव कल्याण सेवा संस्थान के अमरचंद कुमावत द्वारा जोड़ों का विवाह सम्मलेन एवं प्रतिभा सम्मान का आयोजन किया गया।
4. चौंमू। गणेश गार्डन, चौंमू में समाजबंधुओं द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।
5. साईवाड। श्री क्षत्रिय कुमावत समाज विवाह समिति के चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें अशोक कुमार मारवाल पावटा अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए।

अगस्त-23

1. शेखावटी। आर्टिस्ट विजय वर्मा को आर्ट एंड कल्चर विभाग नेपाल द्वारा सम्मानित किया गया।
2. उदयपुर। दीपिका नाहर राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछडा वर्ग की प्रदेश सचिव नियुक्त की गई।
3. उदयपुर। वन्दे भारत एक्सप्रेस उदयपुर से अजमेर लेकर जाने का सौभाग्य भागचंद कुमावत को मिला।
4. जयपुर। कुमावत स्थापत्य कला बोर्ड का गठन।
5. जयपुर। सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा द्वारा सामूहिक गोठ एवं राजनैतिक चिंतन शिविर का आयोजन किया गया।

सितम्बर-23

1. जयपुर। कुमावत इंडिया पत्रिका के स्वर्णिम 6 वर्ष पूर्ण होने पर पत्रिका के विशेषांक का विमोचन मुकेश वर्मा ने किया।
2. जयपुर। भारती तोंदवाल कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति अध्यक्ष निर्वाचित हुई। भारती तोंदवाल प्रथम महिला अध्यक्ष है।
3. सूरतगढ। डूंगरराम गैदर कांग्रेस स्ट्रेटेजिक कमेटी के सदस्य मनोनीत हुए।
4. शाहपुरा। गोपाल लाल कुमावत शिक्षक संघ, शाहपुरा के जिलाध्यक्ष निर्वाचित।
5. जयपुर। टीम चेतन धुंधारिया द्वारा द्वारा सवाई मानसिंह चिकित्सालय में क्षय रोगियों को पोषण युक्त आहार किट का वितरण कर क्षय मरीजों को रोग से संबंधित जानकारी व उपचार की जानकारी दी।
6. जयपुर। सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा ने राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पद पर अमरचंद कुमावत, संजीव वर्मा को युवा अध्यक्ष व भारती तोंदवाल को महिला प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया।

अक्टूबर-22

1. जयपुर। कुमावत प्रगति ट्रस्ट की नवीन कार्यकारिणी में रामप्रकाश मारोठिया अध्यक्ष, रामप्रकाश मारवाल उपाध्यक्ष, भारती तोंदवाल मंत्री व रमेश तोंदवाल सम्पादक नियुक्त किये गये।
2. जयपुर। मुकेश वर्मा स्थापत्य कला बोर्ड के प्रथम अध्यक्ष बने।
3. पलसाना। कारगिल शहीद सीताराम कुमावत का 49वां जन्मदिवस पर 30 प्रतिभाओं का सम्मानित किया गया।
4. इंदौर। कुमावत समाज, इंदौर का मिलन समारोह सम्पन्न।
5. जयपुर। कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर जयपुर के तत्वाधान में प्रथम महिला शक्ति संगम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या महिलायें शामिल हुई।
6. जोबनेर। राजनैतिक चेतना एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

नवम्बर-23

1. जयपुर। श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था, जयपुर द्वारा शरद महोत्सव, रास घूमर का आयोजन किया गया।
2. बूंदी। राजस्थान कुमावत युवा शक्ति, बूंदी की ओर से श्रीराम की शोभायात्रा निकाली गई तथा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।
3. चित्तौडगढ़। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा रतनी कुमावत को चित्तौडगढ़ तहसील की महिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
4. किशनगढ़। योगगुरू प्रभुदयाल तुनगरिया पंतजलि योगपीठ, हरिद्वार द्वारा सम्मानित किय गये।
5. स्वामिनी सेवा संस्थान द्वारा हर घर दिवाली महोत्सव के तहत 5000 मिठाई के पैकेट तैयार कर अस्पताल व गरीबों में बांटे गये।

भक्ति, प्रेम का ही सर्वश्रेष्ठ रूप है

भक्ति एवं कृपा प्रेम रूपी सिक्के के दो पहलू हैं

हम भगवान, माता-पिता, बड़ों से प्रेम करते हैं वह भक्ति कहलाती है एवं भगवान, माता-पिता, बड़े जब हमसे प्रेम करते हैं तो वह कृपा कहलाती है।

-मोरारी बापू

पश्चिमी संस्कृति से प्रभावित सिनेमा जगत ने साधारण जनमानस के लिए प्रेम की परिभाषा को ऐसा विकृत एवं संकीर्ण कर दिया कि यह मात्र दिखावा भर रह गया है। प्रेम ऐसा भाव ही नहीं है जिसका प्रदर्शन किया जा सके बल्कि यह चेतना का ऐसा स्तर (State of awareness) है जो श्रद्धा से शुरू होता है जिसमें तर्क-वितर्क (Logic) का नाममात्र भी स्थान नहीं है। यह स्वयं को एवं दूसरों को देखने का एक तरीक़ा (A way of seeing oneself and others) है, यह जगत में अस्तित्त्व होने का एक तरीक़ा (A way of being in the world) है।

भक्ति, प्रेम का ही सर्वश्रेष्ठ रूप है यही कारण है कि भक्ति में किसी प्रकार के तर्क-वितर्क (Logic) का कोई स्थान ही नहीं है तथा न ही भक्ति कोई दिखावे की वस्तु है, जैसा कि आजकल हम करते हैं। यानि भक्ति में किसी के गुण-दोषों का विश्लेषण नहीं किया जाकर सिर्फ़ गुणों का ही हमारे चित्त में स्थान देते हैं। भगवान गुणातीत है अत: भगवान की भक्ति को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इसी प्रकार माता-पिता से यदि हमें प्रेम है तो उनके दोषों पर ध्यान दिये बिना, क्योंकि माता-पिता मानवीय कृति है अत: दोष संभव है, उनके गुणों को हमेशा चित्त में रखना ही हमारा प्रेम है। यही सच्चा प्रेम माता-पिता की भक्ति है। यह सिद्धान्त मानवमात्र के लिए लागू होता है चाहे वह गुरू हो या सच्चा मित्र हो या पति-पत्नी हो।

भगवान, माता-पिता, गुरू या जिसको भी हम बड़ा मानते है उनके द्वारा हमारे प्रति प्रेम जो कि एक भक्ति का ही रूप है, भारतीय संस्कृति एवं साहित्य में कृपा कहा जाता है।

यह प्रेम की कठिन व्याख्या को सरल करने का एक छोटा सा प्रयास है।

- एस आर सिंघाटिया

पतंगबाजी खूब करें...

पृष्ठ 17 से आगे

हालांकि, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने देशभर में पतंग उड़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाले नायलॉन और चाइनीज मांझे की खरीद फरोख्त, स्टोरेज और इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। एनजीटी ने यह रोक ग्लास कोटिंग वाले कॉटन मांझे पर भी लगायी थी और अपने आदेश में सिर्फ सूती धागे से ही पतंग उड़ाने की इजाजत दी थी। लेकिन, इसके बावजूद बाजारों में अवैध तरीके से चाइनीज मांझे की धड़ल्ले से बिक्री होती है।

हमें सोचना चाहिए कि पक्षियों की भी हमारी तरह दुनिया, बच्चे व परिवार होता है। वे सुबह दाने की तलाश में अपनी उड़ान भरते हैं और शाम को अपने घोंसले में वापस लौटकर आते हैं। बच्चे उनकी प्रतीक्षा करते रहते हैं। लेकिन किसी रोज हमारे द्वारा चाइनीज मांझे से की जा रही पतंगबाजी के कारण उनका अपने बच्चों के पास लौटना तो दूर उनके मरने की कोई खबर भी उन तक नहीं पहुंच पाती है। वहीं कई पक्षी चाइनीज मांझे की चपेट में आकर धरती पर घंटों-घंटों तक तड़पते रहते हैं, उनकी इस स्थिति में सुध लेने वाला भी कोई नहीं होता है। हमारी भारतीय संस्कृति में पशु-पक्षियों के संरक्षण की परंपरा रही है। इस कारण हम अलसुबह उठकर चबूतरे पर पक्षियों के लिए दाना और पानी देने को अपना पुण्य समझते हैं। वहीं हमें सोचना चाहिए कि हम चाइनीज मांझे की डोर से पतंगबाजी करके कई पक्षियों की जान लेकर अपने पुण्य पर पानी तो नहीं फेर रहे हैं? आवश्यकता है कि प्रशासन चाइनीज मांझे की हो रही गैर-कानूनी बिक्री को लेकर अपनी कार्यवाही तेज करें। ऐसे दुकानदारों पर तुरंत शिकंजा कसें, जो नियमों की सीमा लांघकर अवैध रूप से चाइनीज मांझे का व्यापार करते हैं। जरूरत है कि पतंगबाजी सामूहिक रूप से किसी खुले मैदान में एक निश्चित समय सीमा में हो, ताकि पक्षियों की हंसती खिलखिलाती दुनिया सलामत रह सकें और मनुष्य पुण्य के पर्व के दिनों में पाप का भागीदारी होने से बच सके।

हम यह कतई नहीं चाहते कि आप पतंग नहीं उड़ाएं। अपनी परंपरा से मुंह मोड़ लें। पतंग उड़ाइए और खूब उड़ाइए, मगर बेजुबान परिंदों को घोंसले में आने-जाने के लिए थोड़ा समय तो दीजिए।

पक्षी प्रेमी व डिजास्टर असिस्टेंट एंड रेस्क्यू टीम के महासचिव पर्वतारोही दीपक बैंदिल ने बताया कि सुबह 6 बजे से 8 बजे तक पक्षी दाने की खोज में निकलते हैं और वे शाम 5 बजे से 7 बजे तक वापस घोंसले में लौटते हैं।

हमें मकर संक्रांति को पतंगबाजी व तिल और गुड़ के स्वादिष्ट व्यंजनों तक ही सीमित न रखकर इस पावन पर्व पर आपसी रंजिश और बैर मिटाकर प्रेम, स्नेह, भाईचारे व अपनत्व के साथ रहते हुए अनेकता में एकता की मिसाल संपूर्ण जगत में दीप्तिमान करनी होगी। तभी जाकर हम सच्चें मायनों में मकर संक्रांति के पर्व की महत्ता सिद्ध कर पाएंगे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की अपील सिर्फ इन 4 घंटों के दौरान पतंगबाजी नहीं करने की है।

आपकी छोटी सी कोशिश सैकड़ों परिंदों की जान बचा सकती है। आइए...हम स्वयं पहल करें, अपने परिजनों, परिचितों को समझाएं।

- जयसिंह गुडीवाल
सह सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

प्रयागराज : संगम पर मित्रों का संगम-2

आगे रास्ते में मनोरम दृष्यों का आनन्द लेते हुये, माणिकपुर से थोडा पहले दाहिनी तरफ मुडने वाली रोड पर आगे धारकुण्डी आश्रम है।

थोड़ा आगे चलने पर एक पुलिया मिली, जिसमें सड़क के एक तरफनदी का पानी भरा था तथा पुलिया के नीचे पाइयों के द्वारा पानी का निकास हो रहा था तथा चट्टानों पर होकर नदी का पानी बह रहा था। वहां रुककर फोटोग्राफी की, आगे जंगल का क्षेत्र था जिसमें बनी सीमेंट कंकरीट की सडक पर चलते हुये धारकुन्डी आश्रम पहुंचे।

पूर्व में आश्रम वाले क्षेत्र में झरना बहता था जिसमें लोग नहाते थे, हम यही सोच कर नहाने की तैयारी करके आये थे। आश्रम के बाहर उपस्थित व्यक्ति ने बताया की यहां स्नान की व्यवस्था बंद हो गई है। 500 मीटर आगे चलकर एक कुण्ड बना हुआ है। वहां पर नहा सकते हैं। इस कुण्ड का नाम अघमर्षण कुण्ड है। ऊपर से तीन-चार मंजिल नीचे उतर कर एक बहुत बड़ा कुण्ड बना हुआ है, जिसमें पहाड़ों से रिसने वाला पानी झरने के रूप में धीरे-धीरे गिर रहा था, बहुत ज्यादा ठंड होने से व कुछ साफ-सफाई नहीं होने से, वहां नहाने का मन नहीं हुआ। वहां के मनोरम दृश्य की फोटोग्राफी की और पुन: आकर धारकुन्डी आश्रम मे प्रवेश किया। आश्रम सुव्यवस्थित व साफ सुथरा था, नीचे झरने से बहने वाले पानी का बहाव था व ऊपर से नीचे की तरफपानी के छोटे-छोटे कुण्ड बने हुये थे। वहां से वापस आकर फिर रास्ते में नदी की पुलिया पर नीचे बहते हुये पानी में स्नान का आनन्द लिया। रास्ते में माणिकपुर - कर्वी रोड पर कमलेश ढाबे पर तन्दूरी रोटी व दाल का आनन्द लिया। रास्ते में अरुण सिंह का खेत है, रुक कर खेत का अवलोकन किया, खेत में जौ और अरहर की फसलें तैयार खडी थी।

यहां से आगे गांव के पास बने चौराहे को पार कर सीधी सड़क राजापुर को जाती है। हम राजापुर में गन्तव्य तक पहुंचे। यह गोस्वामी तुलसीदास जी की जन्म स्थली है। बहुत ही मनोरम दृश्य था। सामने उत्तर दिशा मे पूरब-पश्चिम यमुना नदी बह रही थी, किनारे पर वह भवन है जहां पर करीब 468 वर्ष पूर्व तुलसीदास जी का जन्म हुआ बताते हैं। इस भवन को अब मंदिर का रूप दे दिया गया है। सामने की तरफराम दरबार, दाहिनी तरफ तुलसी प्रसव कक्ष, जहां अब तुलसी दास जी की मूर्ति स्थापित है तथा बायीं ओर शिवलिंग स्थापित है।

तुलसी जन्म कुटीर से बाहर निकलने पर पास में ही श्री रामचरित मानस मंदिर, है, जहां पर गोस्वामी तुलसी दास जी की हस्तलिखित रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड) रखी हुई है। बहुत अनुनय विनय करने के बाद वहाँ के वर्तमान पुजारी श्री रामाश्रम त्रिपाठी जी हस्तलिखित रामचरित मानस के दर्शन करवाने को तैयार हुये, साथ में ही उनके परिवार की एक कन्या भी उपस्थित थी। मंदिर में सामने दीवार में एक गोदरेज की तिजोरी थी जिसको खोला गया। हस्तलिखित मानस को जो कई कपड़ों में लिपटी हुई थी, को छोटी मेज पर रखा और पुजारी जी एक एक कपड़े की परत को हटाते गये साथ ही निर्देश भी देते गये कि मूल प्रति की फोटो नहीं लेनी है। जब सारे कपड़ों की परत हटा दी गई तो देखा कि हस्तलिखित रामचरितमानस के कागज के पन्नों को पोलीथीन की थैलियों में सुरक्षित रखा गया था, काफी मोटा बंडल था। फिर बीच का कोई पन्ना खोलकर हमें पढ़ाने लगे।

यह पहले के समय की वैदिक लिपि में लिखी हुई है, जिसके कुछ अक्षर (15 से 18) भिन्न थे। साथ ही एक अन्य पुस्तक पुजारी जी दिखा रहे थे जिसमें इस मानस के बारे में लिखा हुआ था। तुलसीदास जी का वंश आगे नहीं चला। उनके शिष्यों की वंशावली इस पुस्तक में थी। वर्तमान पुजारी रामाश्रय जी तुलसीदास जी के शिष्यों के वंशज हैं। इस हस्तलिखित रामचरित मानस के दर्शन कर हम सब गद्‌गद् हो गये। यह एक अनूठा अनुभव था। यहां से रवाना होकर वापस घर पहुँचे। आज घर पर चोखा-बाटी का कार्यक्रम था। मेरे मित्र के आठ दस मित्रों की मण्डली इसकी तैयारी में लगती है। कण्डों से आग तैयार कर उसमें बैंगन, टमाटर, आलू आदि भूनते है। फिर कई मसाले मिलाकर चोखा (सब्जी) तैयार होती है। आज बाटी को जगह रोटी बनी थी। सभी ने चोखा बाटी का आनन्द लिया और रात्रि विश्राम किया।

क्रमश:...

नये सदस्यों इन सभी का कुमावत पत्रिका परिवार में स्वागत है

10/223 श्री प्रभु दयाल, खोरानिया, सांगानेर
10/224 श्री चौथमल गैदर, मिलापनगर, टोंक रोड, जयपुर
10/225 श्री रामस्वरूप मारोठिया, ब्यावर
10/226 श्री बलवंत खोराणिया, बापूनगर, जयपुर
5/191 श्री उपेन्द्र भारती, बरकत नगर, जयपुर
5/192 श्री राजेन्द्र पीपलोदा, कालवाड़ रोड, जयपुर
5/193 श्री राकेश कुमार डाल, खुटेटों का रास्ता, जयपुर
5/194 श्री अशोक कुमावत, पावटा, जयपुर
5/195 श्री रामसिंह सिरोहिया, त्रिवेणी नगर, जयपुर
5/196 श्री कमलेश कुमार नीमीवाल, सांगानेर
5/197 श्री मालचन्द अजमेरा, सांगानेर
5/198 श्री नवरत्न राजोरिया, टोंक फाटक, जयपुर
5/199 श्रीमती मनोरमा तांगड़ा, मालवीय नगर, जयपुर
5/200 श्री रमेश चन्द खोराणिया, करतारपुरा, जयपुर
5/201 श्री राधेश्याम दौराया, सांगानेर
5/202 श्री राजकुमार राहोरिया, किसान मार्ग, जयपुर
5/203 श्री प्रदीप कुमावत, बजरंग नगर, इंदौर
5/204 श्री ओमप्रकाश खोरानिया, महारानी फार्म, जयपुर
5/205 श्री किशन कुमावत, महारानी फार्म, जयपुर
सं/132 श्री भजन लाल बालोदिया, शालीमार बाग, जयपुर
सं/132 श्री विजय कारगवाल, टोंक रोड, जयपुर
सं./133 श्री जे.पी. वर्मा, महारानी फार्म, जयपुर

सर्दी के स्वदेशी व्यंजन

जिस तरह भारत की संस्कृति विविध है, उसी तरह व्यंजन भी अलग है। सर्दी के मौसम में विभिन्न प्रकार के व्यंजन न केवल स्वादिष्ट लगते है, बल्कि सेहद के लिए भी अच्छे हैं।

गाजर/मूंग-बादाम का हलवा :

सर्दी के मौसम की सबसे अच्छी डिस है गाजर/मूंग-बादाम का हलवा। इसका इंतजार पुरे साल किया जाता है। यह स्वादिष्ट होने के साथ पोष्टिक भी होता है।

गोंद के लड्डू : विशेष पोषण शक्तियों के कारण यह सर्दियों के लिए वरदान है। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए इसे सर्दी में खाते है। मेंथी के लड्डू, अखरोट के लड्डू भी सेहत के लिए अच्छे होते है।

खजूर गुड़ सौदेश/रसगुल्ला/ रसमलाई : खजूर का गुड़ केवल सर्दियों में हीं मिलता है। बंगाली मिठाई प्रेमियों के लिए यह वरदान है। नोलन (खजूर) गुड़ सौदेस से आपको प्यार हों जावेगा। इस गुड़ की चासनी में रसगुल्ला और रसमलाई भी बनती है। कम मीठा पसंद करने वालों को भी पसंद आएगी।

शकरकंद रबड़ी : रबड़ी सर्वकालिक पसंदीदा भारतीय मिठाई है। यह सर्दियों का खास व्यंजन है। इसमें भरपूर मात्रा में दूध, शकरकंद, केशर और इलायची डालने के कारण यह पोषक तत्वों से भी भरपूर होती है।

तिल पीठा : यह तिल और गुड/चीनी से बनता है। यह नरम और कुरकुरे स्वाद का व्यंजन है। इसकी तासीर गर्म होने से सर्दी में इसे खाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहता है।

चुकंदर धोरन/सरसों का साग/मूली के पराठे : इनमें भरपूर प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैगनीज, पोटेशियम जैसे तत्व पाए जाते है। इनके पत्ते भी लाभकारी है।

इसी तरह गाजर की चटनी, सिंघारे की कचरी, सोया साग-सब्जी, पालक कोरन, अलसी की चटनी, नारियल की चटनी, मूंगफली की चटनी, धनिये, पोदीने की चटनी,आंवला, आंवले का आचार/मुरब्बा, कच्ची हल्दी का आचार भी सर्दी के मौसम में खाना लाभदायक है।

सर्दी में मेवे, किशमिश, बेरी, नारियल पानी, ग्रीन टी, अदरक, फल और सब्जियां, डेयरी उत्पाद का सेवन सभी के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। बीमारी से बचने के लिए मौसम के साथ साथ आहार में बदलाव भी जरूरी है। सर्दी के दिनों में ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना आवश्यक है जो हमारे शरीर को गरमाहट देते है तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते है।

– **शोभिका कुमावत,** सवाई माधोपुर

ऊनी कपड़ों के लिए कुछ काम की बातें

- कई रंग के स्वेटर धोने से पहले जरा-जरा-सी-ऊन धोकर देखा लें, ज्ञात को जाएगा कि स्वेटर रंग तो नहीं छोड़ते।
- ऊनी कपड़े धोने से पहले साबुन के पानी में थोड़ी-सी फिटकरी पीसकर मिलाएं, ऐसा करने से न तो कपड़ों का रंग छूटेगा और न ही वे सिकुड़ेंगे।
- ऊनी कपड़ों को धोते समय कुछ बूंदे अमोनिया की डालें, इससे कपड़ों में से पसीने की बदबू समाप्त हो जाएगी।
- ऊनी कपड़ों को धोने के लिए सौ ग्राम नमक ठंडे पानी में डालकर पंद्रह-बीस मिनट तक कपड़ों को उसमें भीगने दें। इसके बाद साबुन के पानी में भिगोर धोएं, कपड़ों को रंग नहीं छूटेगा, कपड़ा मुलायम भी रहेगा।
- ऊनी कंबल पर यदि तेल या चिकनाई का दाग लग गया हो, तो पहले उसे दही से साफ कर लें, फिर धो डालें। दाग मिट जाएगा।
- ऊनी कपड़ों से सिकुड़न हटाने के लिए उन्हें कुछ देर भाप पर रखिए, फिर फर्श पर फैला दीजिए।
- एक कप शुद्ध पेट्रोल तीन लीटर पानी में डाल दें, उसमें कंबल भिगों दें। अच्दी तरह उलट-पलट कर उसके दाग-धब्बे रगड़ दें। दस मिनट बाद कड़ी धूप में सूखने के लिए उसे फैला दें। कंबल निखर जाएगा।
- ऊनी कपड़े धोने के बाद उन्हें निचोड़ने के स्थान पर मोटे कपड़े या तौलिए में लपेटकर दबाएं। तौलिया सब पानी सोख लेना। यही तरकीब यदि कपड़ा जल्दी सुखाना हो, तो भी प्रयोग में लाई जा सकती है।
- धोते समय पानी में एक चम्मच ग्लीसरीन मिला देने से कंबल मुलायम बना रहता है व सिकुड़ते नहीं हैं।
- ऊनी कपड़ों में नैप्थलीन की गोली डालते समय उन्हें पॉलिथीन बैग में ही रहने दें, परंतु उस बैग में छोटे-छोटे छेद कर दें। इससे गोलियां ज्यादा समय तक चलेंगी और कपड़ों पर धब्बे भी नहीं पड़ेंगे।
- ऊनी कपड़ों के साथ एक छोटी-सी पोटली में कपूर बांधकर रख दें, इससे कीड़े नहीं लगेंगे।
- ऊनी कपड़ों पर से दानेदार रोएं हटाने के लिए रेजर का प्रयोग करें। रेजर में नया ब्लेड लगाकर उसे स्वेटर पर एक ही दिशा में चलाएं।
- ऊनी कपड़ों को सीलन से बचाने के लिए उन पर फिटकरी छिड़कें।
- ऊनी कपड़ों के नीचे अखबार की तह में खाने वाले तंबाकू के पत्ते रखें।
- स्वेटरों को सूटकेस में रखते समय उन्हें रोल बनाकर रखें, इससे जगह भी कम घिरेगी और स्वेटर में सलवटें भी नहीं पड़ेंगी।

राशिफल 2024

मेष राशि वालों को यह नया साल सुखद परिणाम देगा। साल की शुरुआत में गुरु ग्रह शिक्षा और सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ाएंगे, परिवार का सहयोग मिलेगा और साल के अंत में बचत भी कर सकेंगे। लाभ स्थान का शनि आपकी आय में वृद्धि करेगा, पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में उन्नति करेंगे। सरकार का आपको सहयोग मिलेगा। 12वें भाव में स्थित राहु से भाग दौड़ बढ़ेगी व स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। विदेश से जुड़े कामों में आपको सफलता मिलेगी। ट्रांसफर के भी अच्छे योग बने हुए हैं। रिलेशनशिप को लेकर अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

वृषभ राशि वालों को अप्रैल तक मेहनत करनी होगी। मई से व्यवसाय और कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और आय बढ़ेगी। पैतृक व्यवसाय में सफलता मिलने के अच्छे योग हैं। प्रॉपर्टी खरीदने के लिए अगस्त से अक्टूबर का समय अच्छा रहेगा। मानसिक तनाव दूर होगा। शनि के कारण संयम रखते हुए आगे बढ़ना होगा। नौकरी बदलने में जल्दबाजी नहीं करें, रिलेशनशिप में थोड़ा कंफ्यूजन हो सकता है।

मिथुन राशि वालों को साल की शुरुआत में नौकरी में उन्नति, उच्च शिक्षा के अवसर और व्यवसाय में धन लाभ के अच्छे योग बनेंगे। बिजनेस कनेक्शन से लाभ होगा। शनि भी वर्ष भर आपकी आय में वृद्धि करेंगे। पर यात्राओं पर भी खर्च होने के योग बन रहे हैं। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट के लिए यह काफी अच्छा समय रहेगा। सितंबर-अक्टूबर का समय प्रोफेशनल बातों के लिए अच्छा रहेगा। इस समय घर, जमीन या फ्लैट के अच्छे योग बनेंगे। बृहस्पति के कारण आपका मन आध्यात्म में लगेगा। थोड़ी परेशानी देखने को मिल सकती है। मैरिड लाइफ में भी आपको सामंजस्य बनाकर चलना होगा।

कर्क राशि वालों के लिए यह वर्ष करियर के हिसाब से काफी बदलाव का हो सकता है। मई से आपको कई स्रोतों से लाभ के योग बनेंगे। इमोशन की बजाय प्रैक्टिकल सोच से फायदा होगा, परिवार का सपोर्ट मिलेगा, फैमिली बिजनेस में भी लाभ होगा। विदेश यात्रा के भी अच्छे योग बने हुए हैं। शनि के अष्टम में होने से धैर्य बनाए रखें और लंबी दूरी की यात्राओं में गाड़ी संभाल कर चलाएं। छात्रों को भी अनुकूल परिणाम देखने को मिलेंगे।

सिंह राशि वालों को अचानक धन लाभ के योग बनेंगे, विदेश यात्रा व उच्च शिक्षा का योग है। अप्रैल तक भाग्य की स्पीड भी आपको देखने को मिलेगी, धन को लेकर परेशानियां दूर होगी और आप धार्मिक यात्राएं भी करेंगे। मई से आप अपने करियर में जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लें। जमीन और पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद भी दूर होंगे। स्वास्थ्य के साथ ही दुर्घटनाओं से भी सावधान रहना होगा। बिजनेस में कुछ नया ट्राई करना चाहते हैं तो अप्रैल के बाद करना ठीक रहेगा। रिलेशनशिप में अच्छे परिणाम मिलेंगे और घर में किसी छोटे मेहमान का भी आगमन देखने को मिल सकता है।

कन्या राशि वालों को सफलता के लिए मेहनत बढ़ानी होगी। जैसे-जैसे समय गुजरेगा तो आपके फेवर में बात बनने लगेगी। अप्रैल तक बृहस्पति के कारण आपका आध्यात्मिक लगाव भी हो सकता है स्वास्थ्य में भी गिरावट हो सकती है तथा मानसिक तनाव से बचने का प्रयास करें। मई से बृहस्पति के कारण आपके भाग्य में स्पीड देखने को मिलेगी और आप प्रॉपर्टी भी खरीद सकेंगे। राहु और केतु के कारण कुछ परेशानी होगी। कार्य स्थल पर धैर्य रखें। बिजनेस में फैसला सोच-समझकर करें।

तुला राशि वालों को अप्रैल तक कार्यक्षेत्र में उन्नति व धन लाभ मिलेगा। व्यवसाय और नौकरी में मान सम्मान में वृद्धि होगी। जो लोग विदेश में जाकर काम करना अनुकूल है। प्रॉपर्टी व्यवसाय में सफलता मिलेगी और पैतृक संपत्ति विवाद दूर होंगे। मई से खर्चों और बीमारी पर ध्यान देना होगा। संतान को लेकर चिंता हो सकती है और रिलेशनशिप में थोड़ी परेशानी आ सकती है।

वृश्चिक राशि वालों को अप्रैल तक व्यवसाय में लाभ, नौकरी में उन्नति, यात्राओं में सफलता और कोर्ट कचहरी के मामलों में विजय मिलेगी। पारिवारिक जीवन सुखद और आत्मविश्वास में वृद्धि के साथ ही विरोधियों पर भी विजय प्राप्त होगी। मई से स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव होगा, पारिवारिक जीवन में थोड़ा तनाव हो सकता है, माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जून से नवंबर तक आप कोई घर या वाहन भी खरीद सकते हैं।

धनु राशि वालों को अप्रैल तक शिक्षा और व्यवसाय में उन्नति , नौकरी में प्रमोशन तथा रिलेशनशिप के अच्छे योग हैं। नौकरी या बिजनेस बदलने के लिए बेहतर समय है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और विरोधियों पर भी विजय प्राप्त होगी। नया साल नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और खुशियों और जरूरत की चीजों पर खर्चा भी करेंगे। मई से विदेश में यात्रा व जॉब के अच्छे योग बनेंगे। राहु, केतु आपको पॉलिटिक्स में अच्छे अवसर प्रदान करेंगे पर कुछ पारिवारिक परेशानी भी यह ग्रह आपको दे सकते हैं।

मकर राशि वालों को भाग्य में स्पीड देखने को मिलेगी, परेशानियां दूर होगी, परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद भी दूर होंगे। इस वर्ष नया घर या गाड़ी भी खरीद सकते हैं। मई से विदेश में जाकर काम करने के इच्छुक लोगों के लिए समय अच्छा है। आपकी आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी और परिवार में सामंजस्य होगा। राहु के कारण आत्मविश्वास से आप व्यवसाय में कुछ बड़ा करेंगे। जून से नवंबर तक अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

कुंभ राशि पर शनि का गोचर होने से आपके अंदर गंभीरता रहेगी और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। अप्रैल तक आपके वैवाहिक जीवन में तनाव रह सकता है। आपको मेहनत व रिस्क के साथ आगे बढ़ना होगा। राहु से परिवार में कुछ मतभेद हो सकता है लेकिन केतु आपको आध्यात्मिक बनाएंगे और अचानक कोई धन लाभ करा सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर आप सावधान रहें। मैच्योरिटी से काम के अच्छे परिणाम देखने में आएंगे।

मीन राशि के लोगों की अभी साढेसाती चल रही है अत: सफलता के लिए अधिक मेहनत करें। राहु आपकी राशि पर गोचर कर रहे हैं इससे थोड़ी उलझन देखने को मिल सकती है लेकिन आप मेहनत से कार्यक्षेत्र में सफल होंगे। इस वर्ष आपका चिकित्सा, संतान और कोर्ट कचहरी के मामलों में थोड़ा खर्चा हो सकता है। केतु के कारण थोड़ा वैवाहिक जीवन में तनाव भी हो सकता है। बिजनेस में अचानक से बड़ा कदम उठाने से बचें। अप्रैल तक आय में वृद्धि और प्रमोशन के योग बनेंगे। मई से बेरोजगार लोगों को नौकरी के अच्छे अवसर मिलेंगे। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी दूर होगी।

नोट : यह संभावित राशिफल है, पूर्ण फलादेश के लिए कुंडली के सभी ग्रहों के बलाबल और दशा अंतर्दशा को भी देखना आवश्यक होता है। अत: निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व कुंडली पर सार्थक परामर्श लेना उचित है।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
M.:8058169959

विशिष्ठ संरक्षक

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरस्वा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, बैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोड़िया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर

वि/101 श्री दीपेश टी. मंडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

18 नवम्बर श्रीमती लालीदेवी धुंधारिया, सांगानेर, जयपुर
20 नवम्बर श्रीमती लादीदेवी मोरवाल, ईमली फाटक, जयपुर
21 नवम्बर श्रीमी ग्यारसी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बद्रीलाल मारोठिया, झोटवाड़ा, जयपुर
22 नवम्बर श्रीमती फूल देवी कुमावत, मिश्रराजाजी का रास्ता,जयपुर
22 नवम्बर कुमार बलदेव (बल्लू) नाहर, कुमावत मोहल्ला, चित्तौड़गढ़
22 नवम्बर श्री जगदीश कुदाल (सिलोरा वाले), नागौर रोड, पुष्कर
23 नवम्बर श्री नानूराम, नई सरलाई, चित्तौड़गढ़
23 नवम्बर श्रीमती शांति देवी पत्नी स्व. श्री रतनलाल राणोलिया, शास्त्रीनगर, जयपुर
26 नवम्बर श्रीमती सुन्दर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री डालूराम मारवाल, नन्दपुरी, बाईस गोदाम, जयपुर
26 नवम्बर श्रीमती कमला धर्मपत्नी स्व. श्री नरेन्द्र सिंह मारवाल, मानसरोवर, जयपुर
27 नवम्बर श्री भगवान सहाय अजमेरा, सांगानरे, जयपुर
30 नवम्बर श्री कैलाश कुमावत, कल्याणजी का रास्ता, जयपुर
1 दिसम्बर श्रीमती कमला (रूपा बाई) पटवा, उदयपुर (108 वर्षीया)
2 दिसम्बर श्री कृष्णकान्त जलांधरा, नाथद्वारा
4 दिसम्बर श्री गोपाल लाल धमनुनिया, निवारू, जयपुर
4 दिसम्बर श्री दुर्गालाल अजमेरा, सांगानेर, जयपुर
5 दिसम्बर श्री गौरीशंकर वर्मा, इन्दौर
5 नवम्बर श्री लाल चन्द सिरोहिया, कटेवा नगर, जयपुर
7 दिसम्बर श्री रामेश्वरलाल कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
7 दिसम्बर लालचन्द सिरोहिया, जयपुर
7 दिसम्बर श्री जगदीश मारवाल, सांगानेर, जयपुर
9 दिसम्बर श्रीमती रुकमणी देवी, झोटवाड़ा, जयपुर
11 दिसम्बर श्री रामोवतार कारगवाल, सांगानेर, जयपुर
12 दिसम्बर श्री कल्याण धुंधारिया, निंदड़, जयपुर
12 दिसम्बर श्री ओम प्रकाश खोवाल, बरकतनगर, जयपुर
12 दिसम्बर प्रभाती देवी कुदीवाल, खातीपुरा रोड, जयपुर
14 दिसम्बर श्रीमती सुशीला बधानिया, सांगानेर, जयपुर
14 दिसम्बर श्री सतीश चन्द वर्मा पुत्र श्री ईश्वरचन्द जी, जयपुर
18 दिसम्बर श्रीमती मूली देवी देवतवाल, मण्डाभीमसिंह, जयपुर
18 दिसम्बर श्रीमती गुलाब देवी पत्नी स्व. श्री उदयलाल खड़गटा, मोतीडूंगरी, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
अमित	M.Com., LLB	Pvt.	11.7.96	5'7''	अजमेरा	लोहरवाड़िया	राहोरिया	जलान्दरा	9414870302	जयपुर
रामप्रसाद	M.Com., MBA	Pvt. Ltd.	17.7.99	5'8''	बारावाल	सिरोहिया	खोराणिया	भदानिया	8209214601	जयपुर
प्रदीप	M.Com.	Pvt.	14.4.94	5'8''	बालोदिया	लोहरवाड़िया	अनोखीवाल	खोवाल	9828236238	अलवर
नरेश	12th ITI	Self Employed	1.4.92	5'6''	भोडीवाल	जलान्दरा	खोवाल	भाटीवाल	7733888269	जयपुर
अक्षय	M.Com., MBA	Dupty Manager AU Bank	20.8.94	5'8''	रेवाड़िया	सिरस्वा	खोवाल	मामोड़िया	9001240928	चौमूं
शुभम	M.Com.	Accounts	2.4.93	5'8''	अनावड़िया	कुलचानिया	बालोदिया	देवतवाल	9929648308	सांगानेर
रोहित (मांगलिक)	M.Com. Deploma	Infosys	21.5.97	5'8''	किरोड़ीवाल	खोरानिया	खण्डारिया	गैदर	9214915396	जयपुर
नितिन	B.A., LLB	Advocate	6.1.97	5'8''	देवस्थ	गढ़वाल	होदकास्या	खोवाल	7219912409	लूनवा
हर्ष	12th	Back office Executive	14.7.99	5'9''	कैक्टिया	घोड़ेला	खण्डारिया	खोरानिया	9660569616	किशनगढ़
दीपक	B.Sc. Nursing	Vinayak Hospital Jodhpur	5.5.95	5'5'	कारगवाल	खोरानिया	तूनवाल	मारवाल	9928289544	सीकर
दीपेश	M. Com.	Genpact	13.8.95	5'8''	खाटूवाल	मोब्या	किरोड़ीवाल	भोरोदिया	9887419242	जयपुर
ई. अनिरूद्ध	B.Tech (maths)	Preparing for govt	13.11.96	5'8''	मारोठिया	सिरोडिया	कुण्डलवाल	लाम्बा	9828103125	जयपुर
योगेश	M.Com.	Preparing for govt	30.6.97	5'7''	देवतवाल	मामोड़िया	बालोदिया	अनावड़िया	8058801772	जयपुर
विशाल	M.A. ITI	Pvt. Job	2.8.92	5'8''	घोड़ेला	कुदाल	होदकास्या	आसीवाल	943228286	किशनगढ़
रजत	B..A., ITI	NBC	15.9.99	5'7''	कुदाल	जलान्दरा	आसीवाल	किरोड़ीवाल	8696795042	फुलेरा
नितेश	BA	Self Business	10.9.92	5'6''	नराणिया	बड़ीवाल	खण्डारिया	तूंदवाल	6377027649	जयपुर
कुलदीप	B.Sc. (Nursing)	Senior Nursing officer	1.8.92	5'8''	नीमीवाल	नराणिया	पीपलोदा	मारोठिया	9460755083	कुचामन
अक्षत	B.Com.	Business	10.5.98	5'5''	खरेटिया	दम्बीवाल	बबेरीवाल	मोरवाल	8233942033	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी	मो. नंबर	
लक्षता	B.Tech.(Civil)	AEN in WRD	13.9.95	5'6''	खाटूवाल	घोड़ेला	भोरोदिया	कैक्टया	9468587369	जयपुर
स्वेता	M.A.Econm.	-	9.12.92	5'3''	दोराया	खण्डेरिया	राजोरिया	बासनीवाल	9785026188	जयपुर
शिवानी	B.Tech (EC)	Pvt. Ltd. Co.	28.5.97	5'4''	भोड़ा	किरोड़ीवाल	मारोठिया	घासोलिया	9461663799	जयपुर
अदिति सिंह	B.A., MBA	Pvt.	5.8.90	5'4''	देवतवाल	खोरानिया	घोड़ेला	कैक्टया	9828142731	जयपुर
गरिमा	M.Com.	Teaching	1.11.95	5'7''	खोवाल	बबेरीवाल	कारगवाल	बालोदिया	8769332951	जयपुर
भानू	Master of Visual Arts	Self Business	5.8.98	5'4''	जलान्दरा	जालवाल	बालोदिया	धुंधारिया	8000788131	जयपुर
नन्दनी	MA	Running B.P. Ed.	14.6.2000	5'8''	किरोड़ीवाल	जेठीवाल	देवतवाल	काव्या	9414314380	सांभरलेक
खुशबू	B.A.	-	25.11.98	5'1''	नेमीवाल	पारमवाल	माचीवाल	मावर	9828232883	ब्यावर
डॉ. सोनाली	BHMS	Doctor	26.7.94	5'0''	खोवाल	जलान्दरा	बगरेनिया	धीजपुरिया	9680287337	जयपुर
नेहा	M.Com., MBA	Prc. for Govt Job.	5.8.95	5'2''	दोराया	किरोड़ी	सिरोहिया	मारवाल	8619849700	जयपुर
आंचल	BCA, MBA	Pvt.	17.4.96	5'5''	मण्डालिया	झुंझुनोदिया	लिम्बीवाल	कुदाल	9414556644	भीलवाड़ा
मनीषा	M.Com. (ABST)	-	14.7.94	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	8824390772	जयपुर
कविता	M.A., B.Ed.	Pvt.	5.8.94	-	गुरिया	घोड़ेला	राजोरिया	मारवाल	9799710604	अजमेर
राधिका	M.A.	Pvt. Job.	6.2.98	5'	खरेटिया	दम्बीवाल	बबेरीवाल	मोरवाल	8233942033	जयपुर
गरिमा	P.G., U.G., Phd NET	Research Officer Govt.	22.8.96	5'3''	खोवाल	खरोलिया	भोड़ीवाल	राणोलिया	9413380816	स.माधोपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

Harinarayan Premraj

Since 1961

Manufacturer & Suppliers

Sandal wood, Rose Wood, Ebony Wood, Plain Wood, Mala & Bracelets, Brass & Resin Articles, Painting Handicraft Items, Etc.

Rakesh Chand Sirohiya
Owner

Dishant Kumawat
Managing Director

o, Near Hotel ITC Rajputana Shereton, Digamber Jain Temple, Railway Station, Jaipur, Rajasthan 302006 (INDIA)

+91-9829405503 | 8955470027

Email : harinarayanpremraj@gmail.com

दादू मठ के पीठाधीश्वर गोपाल दास महाराज का देवलोक गमन

दादू पंथ की मुख्य पीठ नरैना के 20वें पीठाधीश्वर श्री गोपालदास महाराज का जयपुर में देवलोक गमन शनिवार 25 नवम्बर, 2023 को हो गया। वे पिछले 1 माह से बीमार चल रहे थे तथा पिछले 7 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनके देवलोक गमन का समाचार सुनकर संत समाज व श्रद्धालुओं में शोक व्याप्त हो गया। इन्होंने वैष्णव धर्म की रक्षार्थ कार्य किया तथा मठ का अच्छे से संचालन किया। बाल्यावस्था में ही इन्हें पूर्व पीठाधिकारी हरिराम महाराज सीकर के कंवरपुरा पालवास गांव से, इनके तेज से प्रभावित होकर, इनके माता-पिता से मांगकर नरैना ले आये थे। 10 वर्ष की आयु में ही ये दादू पंथ के संत बन गये तथा यहां उनकी शिक्षा दीक्षा हुई। 17 जुलाई, 2001 को ये 20वें पीठाधिकारी बनाये गये थे। इन्होंने अपने उत्तराधिकारी के लिए पहले ही 21वें पीठाधिकारी श्री ओम प्रकाश दास के नाम की घोषणा 4 अगस्त, 2021 को युगोत्सव कार्यक्रम में कर दी थी। इनका अंतिम संस्कार बैकुण्ठी निकालकर दादूबाग में पूर्व पीठाधिकारियों की समाधियों के पास किया गया।

श्रद्धांजलि

16वीं पुण्यतिथि

15 जनवरी 2024

स्व. श्री मनोहर सिंह जी कसुम्बीवाल

स्व. 15.01.2008

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत

राजेश कुमार-मंजू, कमला देवी, त्रिलोक सिंह, विरेन्द्र सिंह, रोहित-गुंजन, दुर्गाबाई, विमला

हार्दिक ब्यूटी पार्लर

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स माल के पीछे, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-302015

मो. : 9828547080, फोन : 0141-2740892

स्व. श्री गोपाल लाल वर्मा (नागा)

7वीं पुण्यतिथि

14 जनवरी, 2024

स्व. 14.01.2017

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, भवानी-मीनाक्षी, सुनील-उर्मिला

पुत्री-पुत्री दामाद : विमल-सतीश, रेणु-महेश जी, अनुराधा

पौत्र-पौत्र वधु : लोमश-मीनाक्षी, पौत्र : मनन,लोकेश, रोहित

पौत्री-पौत्री दामाद : अदिति-कमलेश जी, ऋचा-मयूर जी, रोमा-धीरज जी, आकांक्षा-गौरव जी, पौत्री : मुस्कान

दोहिती-दोहिती दामाद : शिवी-भरत जी, दोहिता : गर्वित, मृगांक

पड़ पौत्र : हिमाक्ष, गितांश (गीत) एवं समस्त नागा परिवार

डी-114ए, शिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर मो. 9983340103, 0141-2709547

स्व. 12.04.1979

श्री भौरीलाल घोड़ेला

स्व. 28.12.2021

डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला

स्व. 27.10.2012

श्रीमती फूला देवी

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

श्रीमती रूकमणी देवी (धर्मपत्नी), स्व. दीपक-मीना, प्रभुनारायण-दीफूला, प्रेमनारायण-इन्दिरा, गणेश-संजू (भ्राता-भ्राता वधु), श्रीमती मोना-भंवरजी खोरानिया (बहिन-बहनोई), मूली-स्व. ताराचन्द मोहब्या, राधा-मनोहर लाल मारवाल (बुआ-फुफाजी), मोहन-सुनीता, नवीन-लक्ष्मी, पवन-मधु, नीरज-गुडिया (पुत्र-पुत्रवधु), सोनू-राधेश्याम जी, मोनू-दीपक जी (पुत्री-दामाद), सुहानी, वर्षा, कमल, सुनील, कुणाल, यश, साहिल, कर्ण (पुत्र-पुत्रियां), रोहित, सचिन, नन्दू, चक्षु, पार्थ, टीना, रीतिका, पूर्वी (पौत्र-पौत्रियां)

म.नं. 420, बेलदारों की गली, आमेर रोड, जयपुर मो. : 7014774930, 9928010066

श्री भवानीशंकर जी वर्मा

(आर्किटेक्ट)

प्रथम पुण्यतिथि

10 दिसम्बर, 2024

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

विद्या (पत्नी)। दामोदरलाल-शांति , स्व. मन्नालाल-मनोरमा (भ्राता-भ्राता पत्नी), रमेश-भारती, संजू-मीनाक्षी, संजय-अंजू, नितिन-रवीना (पुत्र-पुत्रवधु), आभास-कृति, अंकित-प्रियंका, अभिनंदन-रेणुका (पौत्र-पौत्रवधु) चिराग, चिनार, तनिष्क, प्रत्यक्ष, गरिमा (पौत्र-पौत्री), रेनू-डॉ. पी.एम. कुमावत, रीना-राजेंद्र (पुत्री-दामाद), सुरेश-पांखुरी (दोहिती दामाद-दोहिती), डॉ. विशेष, नंदादित्य (दोहित)

निवास : 60, जयजवान कालोनी-II, टोंक रोड, जयपुर। मो.: 9460870125

संजय पुत्र सुरेन्द्र कारगवाल मोटावाला चक मसीतां वाली का वरिष्ठ अध्यापक अंग्रेजी पद पर चयन।

माधुरी कुमावत पुत्री श्री दुर्गा लाल कुमावत ढूंढा, वरिष्ठ अध्यापक (सामाजिकविज्ञान) के पद पर चयनित।

नीलेश कुमावत पुत्र श्री अजय कुमावत निवासी निवाई, टोंक का वरिष्ठ अध्यापक पद पर चयन।

महेश कुमावत पुत्र श्री जगदीश धुंधारिया का सब इंस्पेक्टर पद पर चयन।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

सुबोध पब्लिक स्कूल, सांगानेर, जयपुर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में
बेस्ट कल्चरल अवार्ड
जीतने पर
शिवी कुमावत
को
हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

लक्ष्मीनारायण-राजकुमारी घोड़ीवाल (दादाजी-दादीजी)
मो. 9549656438,
सुरेन्द्र बाबू-प्रीति (पिताजी-माताजी),
मनीष-शशि घोड़ीवाल (चाचाजी-चाचीजी),
लविन कुमावत (भाई) कु. शुभी (बहिन)
एवं समस्त घोड़ीवाल परिवार

निवास : 7/218, मालवीय नगर, जयपुर-302017

नववर्ष पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती मेघना कुमावत
धर्मपत्नी श्री दिलीप जलान्धरा
जन्मदिन 17 जनवरी, 1980

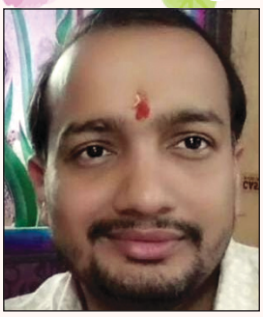

अशीष कुमावत
जन्मदिन 17 जनवरी, 1986

मेरी बड़ी सुपुत्री मेघना व सुपुत्र आशीष कुमावत को जन्मदिन पर
हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई
शुभेच्छु
ताऊजी-ताईजी : रूपचंद-पार्वती,
पिता-माता : राम प्रकाश मारवाल-सुनीता,
चाचा-चाची : राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या,
सत्य प्रकाश-शकुंतला एवं समस्त मारवाल परिवार

कुश
(सुपुत्र आशीष-प्रियंका मारवाल)
के तृतीय जन्मदिन
26 जनवरी, 2024 पर
हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई

शुभेच्छु
दादा- दादी : रामप्रकाश-सुनीता
एवं समस्त मारवाल परिवार

Apana Ashiyana (Girla P.G.) | Ashish Consultant
433-ए, परशुराम पार्क, सूर्य नगर, रिलायंस फ्रेश के पीछे रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर-302015 मो. : 9717037470, 9414074376

रजि. नं- COOP/2018/JAIPUR/101895
12AA
80 G

स्वामिनी सेवा संस्था

प्रथम सर्वसमाज सामूहिक विवाह सम्मेलन

वर पक्ष
सहयोग राशि
रू 11000/-

रामनवमी
17 अप्रेल 2024
(बुधवार)

वधु पक्ष
सहयोग राशि
रू 11000/-

घर जैसा

सामूहिक विवाह सम्मेलन जयपुर में आयोजित किया जाएगा

- सोने का मंगल सूत्र • सोने की लोंग • चाँदी की पाईजेब जौड़ी • चाँदी की चीटकीयां
- चाँदी की अंगुठी • बैड बोक्स वाला • गद्दा • दो तकिया • कम्बल • बैडशीट • बाटी ओवन
- दो तकिया कवर • ड्रेसिंग टेबल • चोकि • दो कुर्सीया • अलमारी • प्रेस • पंखा
- दीवार घड़ी • हाथ घड़ी (वर एवं वधु) • शादी का बैस (वधु) • सफारी सूट का कपड़ा (वर)
- एक जोड़ी चप्पल (वधु) • 21 बर्तन • वरमाला • टिफिन सेट • तोरण थाम आदी

पंजीकरण हेतु आवश्यक दस्तावेजः-

- वर-वधु और माता-पिता के आधार कार्ड की 4-4 कॉपी।
- वधु की बैंक पास-बुक और राशन कार्ड या जनआधार कार्ड।
- वर-वधु की 4-4 फोटो, माता-पिता की 2-2 फोटो।
- वर-वधु की 8 वीं या 10 वीं की मार्कशीट य जन्म प्रमाण पत्र।
- वर-वधु का शपथ पत्र देना होगा।

पंजीकरण कार्यालय

मुख्य कार्यालय – 31 कुमावत कॉलोनी, कुमावत स्कूल के पीछे, सोडाला, जयपुर-302006
अशोक कुमावत, मोः- 9352070394, **गोविंद वर्मा (कुमावत)** मोः- 9001905456
गुरुदयाल वर्मा, मोः-9314246781 , **महेंद्र कुमावत**, मोः- 9460071867

उप कार्यालय – **गौकलेंद्र गौड़ (गोकुल)** 14 गंगा विहार कॉलोनी अजमेर रोड़ बगरू, जयपुर- 303007
मों-9887057636

उप कार्यालय – **सुरज्ञान लाल कुमावत**, वाया-जाहोता, कुम्हारो की ढाणी, आछोजाई, चतरपुरा, जयपुर(राज)303701 मोः 9602497509

उप कार्यालय – **श्री नवदुर्गा बिल्डिंग मैटेरियल**, श्री नारायण विहार, छापोलो की ढाणी के पास ,मुहाना मोड़ सांगानेर
बेनी कुमावत, मोः 9782326509, **जितेन्द्र कुमावत**, मोः 9950988523

उप कार्यालय – **हरी किशन जी माली** , सैनी काम्पलेक्स, रामपुरा रोड़, फागी, जयपुर-303005
मोः 9414704438

वैवाहिक जोड़ो के पंजीकरण चालू है। अन्तिम दिनांक 31 मार्च 2024

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

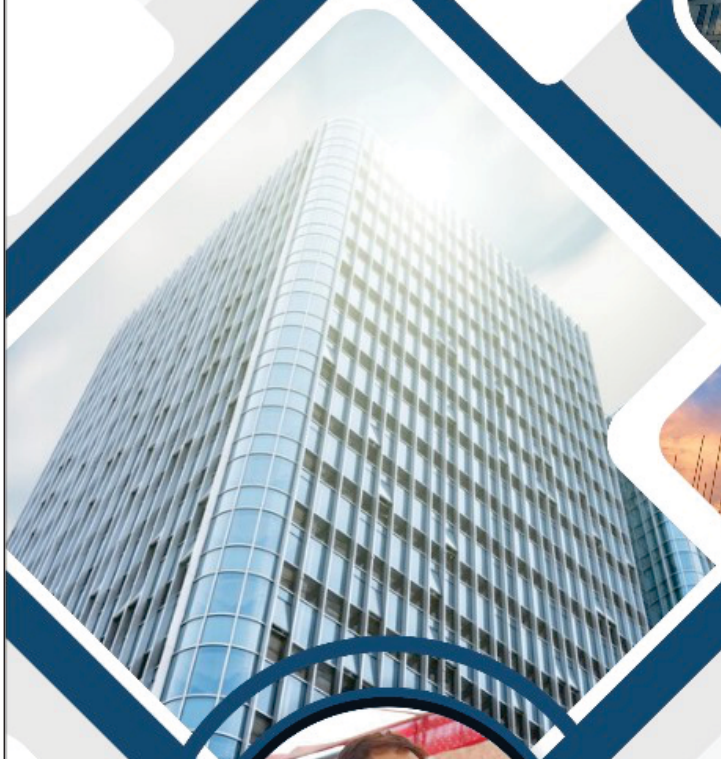

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300